तापमान
अधिकतम 16.2 डिग्री
न्यूनतम 3.6 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 14 जनवरी 2024

12 गांव-गांव घर-घर जाकर सरकार की नीतियों की जानकारी दें

12 डीएवी कॉलेज में मनाया लोहड़ी पर्व

खबर संक्षेप

हेरोइन तस्करी के मामले का आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना महेशनगर क्षेत्र के भगवान परशुराम मंदिर के पास से मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में पुलिस ने आरोपी आर्यन उर्फ खुरपा को गिरफ्तार किया है। पुलिस दल को सूचना मिली थी कि आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी का कार्य करता है। सूचना के आधार पर पुलिस 1 ग्राम 52 मिलिग्राम हेरोइन के साथ काबू किया। इसके बाद उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

11 बोतल शराब सहित आरोपी काबू

अंबाला। थाना नारायणगढ़ क्षेत्र में अवैध शराब की तस्करी के मामले में पुलिस ने गांव डेरा के पृथ्वी सिंह को काबू किया है। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 11 बोतल शराब जब्त की। अब पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। काफी दिन से पुलिस को आरोपी के शराब तस्करी में संलिप्त होने की शिकायत मिल रही थी।

हथवाला चौकी पुलिस ने शराब तस्कर पकड़ा

पानीपत। थाना समालखा की हथवाला चौकी पुलिस ने यमुना बांध के नजदीक एक युवक को 15 बौतल अवैध देसी कच्ची शराब सहित गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान सुरेंद्र निवासी गांव राक्सेहडा जिला पानीपत के रूप में हुई। थाना समालखा प्रभारी इंस्पेक्टर फुलकुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना समालखा में एक्साइज एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

ट्रक की टक्कर से रिक्शा चालक की मौत

यमुनानगर। जगाधरी-अंबाला रोड पर होटल एल्पाइन के पास ट्रक की टक्कर से रिक्शा चालक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के लिए शवगृह में रखवा दिया।
पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

समाज के हर वर्ग के कल्याण में जुटी सरकार : मुख्यमंत्री

मनोहर लाल ने शनिवार को शहर की बसंत विहार कॉलोनी में लोगों से जनसंवाद किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

मुख्यमंत्री मनोहर लाल बसंत विहार कॉलोनी में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सरकार हर वर्ग के कल्याण में जुटी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत लोगों को 50 हजार से 2 लाख रुपये का ऋण दिलाया जा रहा है। गांवों में महिलाओं के स्वयं सहायता समूह गठित किये गये हैं जो सिलाई, कढ़ाई, बुनाई जैसे छोटे कार्य करके 10 से 15 हजार रुपये महीना कमा रही हैं। उन्होंने बताया कि दुनिया में 2021 में गरीबी का एक सर्वे हुआ था जिससे पता चला कि भारत में 13 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य यही है कि हर नागरिक यह संकल्प ले कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बने। अभी वश्वि में 37 देश ही विकसित हैं। सरकार का प्रयास है कि हर परिवार आर्थिक रूप से मजबूत बने। उन्होंने बताया कि वार्ड एक में 3100 नये राशन कार्ड बने हैं। आयुष्मान योजना के तहत करनाल में 3700 लोगों का मुफ्त इलाज पर सरकार ने 14 करोड़ रुपये खर्च किये हैं।

■ 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लें

मुख्यमंत्री शनिवार यहां वार्ड एक की बसंत विहार कॉलोनी में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने लोगों को लोहड़ी और मकर संक्रांति के साथ-साथ 22 जनवरी को अयोध्या में किये जाने वाले राम मंदिर उद्घाटन की शुभकामनायें दी। साथ ही बताया कि 26 जनवरी को करनाल पुलिस लाईन में आयोजित किये जाने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में भी वे खुद शिरकत करेंगे।

दस हजार शिकायतों का निपटारा किया जा चुका

मुख्यमंत्री ने बताया कि जनसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से प्राप्त 60 हजार शिकायतें पोर्टल पर दर्ज की जा चुकी हैं। इनमें से दस हजार का निपटारा किया जा चुका है और 25 हजार पाईप लाईन में हैं। मुख्यमंत्री ने उचाना के पास फुटओवर ब्रिज बनाने, वार्ड के तहत आने वाले पांच गांवों को लाल डोरा मुक्त करने, गलियों में स्टार्म वाटर के लिये पाइप लाईन बिछाने और बलड़ी गांव में दो एकड़ में सामुदायिक केंद्र और अगले शैक्षणिक सत्र से पूर्व स्कूल के भवन को नया बनाने की मांग को पूरा करने का ऐलान किया।आज जनसंवाद कार्यक्रम में सेठपाल, लीला देवी, रोशनी, दर्शना देवी और सुभाष चंद्र की मौके पर ही पैंशन बनाई गई। पांचों को मुख्यमंत्री ने पैंशन स्वीकृति संबंधी प्रमाण पत्र सौंपा। साथ ही बताया कि इस वार्ड में 1970 लोग पैंशन पा रहे हैं।

ये रहे मौजूदः

इस अवसर पर इंद्री के विधायक रामकुमार कश्यप, भाजपा जिला अध्यक्ष योगेंद्र राणा, नगर निगम महापौर रेनू बाला गुप्ता, स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र, डप्टिी मेयर नवीन कुमार, मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि संजय बठला, जिला महामंत्री सुनील गोयल व राजबीर शर्मा, मंडल अध्यक्ष मोहन सैनी, मंडल महामंत्री कर्मबीर कल्याण, भाजपा नेता राज सिंह गोदारा, रघुमल भट्ट, ईलम सिंह, नरेंद्र, सतीश पोसवाल, राम चरित मानस स्कूल के निदेशक संदीप गौतम, उपायुक्त अनीश यादव, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन, एडीसी डा. वैशाली शर्मा, नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा, संयुक्त आयुक्त अदिति सहित विभिन्नि विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

टायर शोरूम की सीढ़ियों पर लटके मिले युवक के शव

शोरूम संचालक व उसके लड़के के खिलाफ केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर के विश्वकर्मा चौक के नजदीक स्थित टायर शोरूम की सीढ़ियों पर लटके मिले पटेल नगर निवासी गुलशन की मौत के मामले में पुलिस ने शोरूम संचालक व उसके लड़के के खिलाफ हत्या व जाति सूचक शब्द बोलने के आरोप में केस दर्ज किया है। पुलिस ने यह मामला मृतका की पत्नी की शिकायत पर दर्ज किया है। मामले में अभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार पटेल नगर निवासी रजनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पति गुलशन उर्फ सोनू शहर के विश्वकर्मा चौक के नजदीक स्थित टायर शोरूम पर काम करता था।

■ मामले में अभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया

मामले में की जा रही जांच

मामले की जांच कर रहे गांधीनगर थाना प्रभारी महरुफ अली ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या व जाति सूचक शब्द बोलने के आरोप में केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

ये आरोप लगाया

उसने आरोप लगाया कि टायर शोरूम का संचालक अरुण व उसका लड़का मोहित उसके पति के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते थे। आरोपी अक्सर उसे जाति सूचक शब्द बोलकर अपमानित करते थे। आरोपियों ने उसकी कई महीने की तनख्वाह भी रोकी हुई थी। उसने बताया कि गत वीरवार को उसका पति दोपहर का खाना खाकर काम पर चला गया था। मगर उसके बाद घर नहीं आया। जब उसने शोरूम संचालक से इस बारे बात की तो उसने कहा कि वह यहां से जा चुका है। गत शुक्रवार को उसके पति का शव सीढ़ियों पर लटका मिला था। उसने आरोप लगाया कि उसके पति की अरुण व मोहित ने हत्या की है। पुलिस ने मामले में दोनों आरोपियों अरुण व मोहित के खिलाफ धारा 302 व एससी एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

बदमाशों ने दुकानदार से छीने 35 हजार रुपये

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

गांव खदरी में दो बदमाशों ने खाद बीज की दुकान करने वाले दुकानदार से 35 हजार छीन लिए। आरोपियों में से एक व्यक्ति दुकान में दवाई लेने के बहाने से आया था। जब वह दवाई देने लगा तो आरोपी उसके हाथ से पैसे छीनकर फरार हो गया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गांव ब्राह्मण माजरा निवासी शिवचरण ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव खदरी में हरियाणा ग्रामीण बैंक के पास खाद, बीज व दवाई की दुकान है। शुक्रवार शाम को वह दुकान पर काम कर रहा था। इस दौरान वह गल्ले से निकालकर पैसे गिनने लगा। उसने 35 हजार रुपये गिनकर रबड़ में डाल लिए। इस दौरान बाइक पर सवार होकर दो व्यक्ति उसकी दुकान के सामने रूके। एक व्यक्ति उसकी दुकान पर आकर दवाई मांगने लगा। जब वह आरोपी को दवाई देने के लिए आगे बढ़ा तो आरोपी उसके हाथ से 35 हजार रुपये छीनकर बाइक पर बैठकर फरार हो गए।

आरिफ हत्याकांड में पुलिस इंस्पेक्टर, एएसआई समेत छह के खिलाफ केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत से लगते उत्तर प्रदेश के कैराना निवासी आरिफ की हत्याकांड में मिलीभगत कर कत्ल के केस को रफा दफा करने वाले थाना चांदनी बाग के एसएचओ व एएसआई को जहां पुलिस अधीक्षक अजीत शेखावत ने पद से निलंबित किया है, वहीं सस्पेंड किए गए दोनों पुलिस अफसरों समेत छह लोगों पर 10 गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है। एसपी शेखावत के आदेश पर एएसपी मयंक मिश्रा की शिकायत पर चांदनीबाग थाना में मुकदमा नंबर 20 दर्ज किया गया है।

इस मुकदमे में थाना चांदनी बाग के थानेदार रहे इंस्पेक्टर कर्मबीर, एएसआई सतीश, अनूप उर्फ भांजा, राजेश मलिक, इशांत उर्फ ईशू और अनिल मदान को नामजद किया गया है। इनके अलावा जबकि सब इंस्पेक्टर बलविंद्र को पुलिस लाइन हाजिर करने के साथ-साथ उससे स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। पुलिस ने उन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिन्होंने आरिफ की हत्या की थी।

इस तरह हुआ हत्याकांड का खुलासा

मामले का खुलासा उस वक्त हुआ, जब किसी तरह पुलिस और बीच में आए लोगों ने उनका समझौता करवाने की बात कही थी। इस मामले में इशांत ने दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता की थी। तथ्यों के अनुसार इशांत आरोपियों से काफी रुपए ले चुका था, जिनमें से मृतक के परिवार को नाम मात्र ही देने की पेशकश रखी गई। लेकिन मृतक के परिजनों ने कार्रवाई की ही मांग की थी। सैटिंग के इस खेल में थाना प्रभारी समेत अन्य सभी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से शामिल रहे।

प्रत्यक्षदर्शी की अनदेखी की

एसपी को भी उस वक्त हैरानी हुई, जब जांच के दौरान ढाबे के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में मार-मार कर मौत के घाट उतारने की वारदात कैद होनी मिली। इतना ही नहीं, वारदात की रात से ही पुलिस और मीडिया के सामने एक प्रत्यक्षदर्शी भी आया था। जिसने बताया था कि वह आरीफ के साथ था। आरोपियों ने उसे भी खूब पीटा था। लेकिन, किसी तरह वह वहां से बच निकला था। कुछ देर बाद आरीफ की मौत हो गई थी।

ढाबे में गए थे, वेटर से झगड़ा हुआ

बबैल नाका के पास रहने वाले राजू ने कहा कि 18 दिसंबर 2023 की रात करीब 7 बजे वह साथी आरिफ के साथ खाना खाने के लिए प्रेमी ढाबे में गया था। जहां आरिफ की ढाबे पर वेटर का काम करने वाले चौटाला नाम के युवक से कहासुनी हो गई। वहीं, बहस बढ़ने पर चौटाला ने आरिफ से मारपीट शुरू कर दी। बाद में उसने फोन कर अपने दोस्तों को भी वहां बुला लिया। उन्होंने वहां आते ही दोनों युवकों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इसी बीच राजू वहां से भाग निकला। इसके बाद वे आरिफ को पीटते रहे। जिससे आरिफ की मौत हो गई।

हत्या को बीमारी से हुई मौत बताया

सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंचे। मृतक आरिफ के भाई नफीस ने बताया कि वे मामले की शिकायत लेकर पुलिस के पास गए। जहां पुलिस ने परिजनों को कहा कि वे लिख कर दे दें कि आरिफ पिछले आठ दिन से बीमार था। जिससे उसकी मौत हो गई, जबकि परिजनों के साथ मारपीट का चश्मदीद राजू भी गया था। यहां पुलिस ने आरोपी चौटाला को भी हिरासत में ले लिया है। मगर पुलिस ने हत्या होने से नकारते हुए प्राकृतिक मौत होने का ही दबाव बनाया।

पुजारी के परिवार से मारपीट कर की लूटपाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंड

सीसीटीवी कैमरे में कैद चोर।

सर्विस रोड पर स्थित साईं मंदिर में हथियारबंद चार बदमाशों ने मंदिर में घुसकर पुजारी के परिवार से मारपीट करते हुए हजारों रुपए की नगदी व मोबाइल लूट कर ले गए। मामला शुक्रवार की देर रात करीब एक बजे का है। लूट की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और एफएसएल की टीम की मदद से जांच में जुट गई है।

■ पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद

साईं मंदिर के पुजारी मुकेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार की रात को मंदिर के पिछली तरफ अपने मकान में हर रोज की तरह सोए हुए थे। रात्रि के करीब एक बजे चार नकाबपोश बदमाश मंदिर की दीवार फांद कर घुस जाते हैं और मकान के अंदर अंटर होते ही साइड वाले कमरे में जिसके अंदर उसके दोनों बेटे सोए हुए थे। उन पर हथियार तान कर एक बेटे का मोबाइल वह उनके पास रखी तीस हजार रूपये की नगदी छीनकर लड़के के साथ मारपीट करते हैं। इतने मे उनका लड़का शोर मचा देता है। और आवाज सुनकर दूसरे कमरे से मै मेरी पत्नी उठकर जैसे ही बाहर निकलते हैं तो दो चोर पोड़ियों के रास्ते से भागने लगते हैं जैसे ही तीसरा चोर बाहर भागने की कोशिश करता है तो वह उसका पांव पकड़ लेता है और इतने में चौथा चोर जिसके हाथ में राड थी उन पर हमला बोल देता है।इस हमले में वह घायल हो जाते हैं और चारों चोर फायदा उठाकर दीवार बांधकर भागने में कामयाब हो जाते हैं। घटना की सूचना तुरंत ही पुलिस को दी जाती है।सूचना मिलते ही डायल 112 की गाड़ी मौके पर पहुंच जाती है। और एफएसएल की टीम की मदद से पूरे घटना की जांच की जा रही है।वारदात की पूरी घटना सीसीटीवी टीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से जांच आरंभ कर दी है।

सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए आठ से शुरू होगा पंजीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

भारतीय सेना अग्निवीर स्कीम के तहत वर्ष 2024-25 के लिए सेना में भर्ती प्रक्रिया शुरू होने वाली है। भर्ती निदेशक कर्नल बीएस बिष्ट ने बताया कि प्रदेश के 6 जिलों अंबाला, कैथल, कुरूक्षेत्र, करनाल, यमुनानगर, पंचकुला और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के पुरूष अभ्यार्थियों तथा दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल एवं चंडीगढ़ की महिला अभ्यार्थियों के लिए पंजीकरण 8 फरवरी 2024 से 21 मार्च 2024 तक होगा। सभी योग्य लाभार्थी वेबसाईट पर पंजीकृत करवा सकते हैं। यह रैली पुरूष वर्ग में अग्निवीर (सामान्य कत्तव्य), अग्निवीर (तकनीकी), अग्निवीर (लिपिक/स्टोर कीपर तकनीकी) और अग्निवीर (ट्रेडमैन) तथा महिला वर्ग में (महिला मिलिट्री पुलिस) के लिए आयोजित की जाएगी।
अग्निवीर तकनीकी पदों के लिए चयनित विषयों में आईटीआई के योग्य उम्मीदवारों को वरीयता दी जाएगी।
उन्होंने कहा कि अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है। पहले चरण में ऑनलाईन प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। दूसरे चरण में ऑनलाईन परीक्षा में मेरिट में चयनित अभ्यार्थियों को भर्ती रैली मे शामिल होने के लिए बुलाया जाएगा।

संकल्प यात्रा का स्वागत | साढ़ौरा के भी दो गांव में पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा

प्रदेश भर में हो रहे हैं सभी इलाकों में समान रूप से विकास कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर के रादौर क्षेत्र के गांव सागड़ी में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में लोगों को शपथ दिलाते हुए पूर्व विधायक ईश्वर सिंह पलाका, साढ़ौरा क्षेत्र के गांव सबीलपुर जट्टान में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में स्टॉलों का अवलोकन करते पूर्व विधायक बलवंत सिंह। फोटो : हरिभूमि

विकसित भारत संकल्प यात्रा का रादौर व साढ़ौरा क्षेत्र के चार गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। यात्रा के दौरान आयोजित जनसंवाद कार्यक्रमों में रादौर क्षेत्र में मुख्यातिथि के रुप में पूर्व विधायक ईश्वर सिंह पलाका व साढ़ौरा क्षेत्र में पूर्व विधायक बलवंत सिंह ने ग्रामीणों को केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं से अवगत करवाया। मौके पर उन्होंने ग्रामीणों को विकसित भारत की शपथ दिलाई गई। पूर्व विधायक ईश्वर पलाका ने रादौर के गांव सागड़ी व झींझरों में कामगार हो के लिए कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित करके उन्हें धरातल पर लागू किया है। इस दौरान कार्यक्रम में कई लोगों के बीपीएल राशन कार्ड बनाए गए। कई लोगों को स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री दी गई व कई लोगों के आयुष्मान कार्ड व पेंशन बनाई गई।

■ ग्रामीणों ने किया भारत संकल्प यात्रा का स्वागत

साढ़ौरा क्षेत्र के गांव सबीलपुर जट्टान व भगवानपुर में यात्रा के दौरान आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में पूर्व विधायक बलवंत सिंह ने कहा कि देश को विकसित बनाने के लिए हर व्यक्ति के सहयोग की जरूरत है। सभी मिलकर देश के उत्थान के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा के माध्यम से सरकार विकास की गारंटी के साथ आम जन तक पंहुचते हुए लोगों को और अधिक लाभ आबंटित कर रही है। मौके पर विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा के दौरान प्रचार वाहन पर एलईडी के माध्यम से केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं को लघु फिल्म के रूप में दिखाया गया। इस दौरान लाभ पात्रों को स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्रियां वितरित की गई।

खबर संक्षेप

विवेकानंद के पद चिह्नों पर चलने का लिया संकल्प

यमुनानगर। हरियाणा युवा विकास संघ के तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा सप्ताह के दूसरे दिन शनिवार को शहर की सलम बस्ती में सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान गांव की गलियों, नालियों में साफ सफाई की गई। मुख्यातिथि एवं संघ के अध्यक्ष एचके शर्मा ने सफाई अभियान का शुभारंभ गली में झाड़ू लगाकर किया। मौके पर एचके शर्मा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने स्वच्छ राष्ट्र निर्माण बनाने पर बल दिया था। भारतीय संस्कृति की विश्व में अलग पहचान है जिससे बलबूते पर हम विश्व गुरू के रूप में अपनी पहचान अंकित कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं को सफाई के बारे जागरूक करते हुए कहा कि जब घरों के आसपास सभी लोग सफाई करेंगे तो हमारे आसपास का क्षेत्र अपने आप साफ हो जाएगा।

कांग्रेस की संदेश यात्रा रैली होगी ऐतिहासिक : सैनी

रादौर। कांग्रेस द्वारा रादौर की नई अनाज मंडी में सात फरवरी को संदेश यात्रा रैली का आयोजन किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने रैली में भारी भीड़ जुटने का दावा जताया जा रहा है। इस रैली की सफलता के लिए शनिवार को रैली आयोजक एवं कांग्रेस ओबीसी सेल प्रकोष्ठ के जिला प्रधान विक्रम सैनी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र के दर्जन भर गांव में जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों को रैली में पहुंचने का न्यौता दिया।

पटवारियों का आंदोलन जारी रहेगा

पानीपत। रेवेन्यू पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन के जिला पानीपत के प्रधान मुकेश कुमार, मीडिया प्रभारी सुधांशु, सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव शिव कुमार ने कहा की सरकार को अपना नोटिफिकेशन सही तरीके से लागू कर देना चाहिए। पटवारियों की मांगो को मान कर इनका धरना समाप्त करा देना चाहिए यही सरकार के हित में है।

विधायक धर्म सिंह छौक्कर ने शॉल बांटी

पानीपत। कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छौक्कर ने शुक्रवार को पुराना बस स्टैंड फ्लाई ओवर के नीचे रेहड़ी लगाने वालों को सम्मान स्वरूप शॉल व बरसात के मौसम से बचाव को लेकर छतरी वितरित की। वहीं छौक्कर ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सेवा करना हर सामर्थ नागरिक का कर्तव्य है।

श्याम बाबा के चरणों में अर्पित की अर्जियां

पानीपत। एक जनवरी को कीर्तन में पहुंची अर्जियों को श्याम प्रभु के चरणों में बाबा के खाटू दरबार में कीर्तन के आयोजक तीन बाणधारी मित्र मंडल के सदस्यगणों ने अर्पित किया। जिसमें मनोज जैन, अमित जैन, निशु बंसल, राजेश गुप्ता, अंकित गोयल, संदीप सिंघल, सोनू मित्तल आदि शामिल रहे।

सुंदर मुंदरिये गीत की धुनों पर थिरके श्रद्धालु

लोहड़ी पर्व जिले भर में धूमधाम से मनाया

- मूंगफली, गुड़ और तिल की मिठास के साथ मनाया लोहड़ी पर्व
- महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया लोहड़ी पर्व
- मुंगफली व रेवड़ियां बांटकर एक दूसरे को लोहड़ी की बधाई दी

यमुनानगर। आयोजित कार्यक्रम में लोहड़ी पर्व मनाते हुए लोग व महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में लोहड़ी पर्व मनाते हुए स्टॉफ सदस्य। फोटो :हरिभूमि

यमुनानगर। श्री लाल द्वारा मंदिर में लोहड़ी पर आयोजित कार्यक्रम में भजनों पर झूमते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिले भर में लोहड़ी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान लोगों ने लोहड़ी प्रज्जवलित करके उसके चारों तरफ घूमकर ढ़ोली की थाप पर नाचते हुए और मीठे गुड़ दे विच मिल गई तिल, उड़ी पतंग ते खिल गए दिल, हरपल सुख ते हर दिन शांति पाओं, रब अगे दुआ तुसी लोहड़ी खुशियां नाल मनाओं आदि गीत गाकर व गिद्दे डालकर पर्व को मनाया। मौके पर मूंगफली व रेवड़ियां बांटकर एक दूसरे को लोहड़ी की बधाई दी। खास बात यह रही कि शनिवार को सुंदर मुंदरिये गीत की गूंज हर तरफ सुनाई दी। वहीं, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय जगाधरी में लोहड़ पर्व धूमधाम से मनाया गया। शनिवार को जिले के शहरों व कस्बों में लोहड़ी को लेकर रौनक बनी रही। लोगों ने एक दूसरे को लोहड़ी की बधाइयां दी। देर शाम घरों में लोहड़ी जलाई गई। कई जगह ढोल बजाकर व डीजे बजाकर लोहड़ी के गीतों पर भंगड़े व गिद्दा समेत झूमकर महिलाओं , पुरुषों व युवाओं ने खूब मस्ती की। इस दौरान दिन भर मूंगफली व रेवड़ी खरीदने के लिए लोगों की दुकानों पर भीड़ लगी रही।

त्योहार हमें आगे बढ़ते रहने की देता है सीख

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय जगाधरी में युवा एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में एवं प्रोफेसर गौरव बरेजा के नेतृत्व में भव्य लोहड़ी उत्सव का आयोजन किया गया है। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ.पीके बाजपेयी ने पवित्र अग्नि जलाकर संदेश दिया कि लोहड़ी और सक्रांति का यह त्योहार उस बदलाव का संकेत देता है जो शुरू होने वाला है। साथ ही यह हमें खुशी के क्षण देता है। जिसे हम सभी पवित्र अग्नि के साथ बैठकर साझा करते हैं। कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर गौरव बरेजा ने कहा कि जिस प्रकार अग्नि नीचे से ऊपर की ओर चलती है। उसी प्रकार हमें अपने जीवन में आगे बढ़ते रहने का प्रयास करना चाहिए। भारत त्योहारों का देश है जहां हर महत्वपूर्ण दिन हमारे प्रियजनों की भागीदारी से विशिष्ट हो जाता है।

अग्रवाल महिला समिति ने मनाया लोहड़ी पर्व

लोहड़ी पर्व पर श्री दुर्गा महिला स्वाभिमान समिति द्वारा जगाधरी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समिति की सदस्यों व सेक्टर की महिलाओं ने भाग लिया। इस दौरान महिलाओं ने लकड़ियों में आग लगाकर त्यौहार से जुड़े लोकगीत गाए। समिति की सदस्य रश्मी व ममता ने सुंदर मुंदरिये...लोक गीत गाकर लोहड़ी जलाई और सभी महिलाओं में मुंगफलियां व रेवड़ियां बांटी। महिलाओं ने सामूहिक रूप से पंजाबी लोकगीतों पर नाच-गाकर गिद्दा डाला। उधर, शहर के आजाद नगर में लोहड़ी पर्व के अवसर पर भंगड़ा डाला गया और सुंदर मुंदरिये गीत पर महिलाओं व पुरुषों ने जमकर लोहड़ी पर्व मनाया। मौके पर मुंगफली व रेवड़ियां बांटी गई। इसके अलावा लोगों ने अपने आस पड़ौस में मूंगफली व रेवड़ी बांटकर एक दूसरे को लोहड़ी पर्व की बधाई दी। इसी तरह शहर के मॉडल टाऊन, सरोजनी कॉलोनी, कैंप व छोटी लाइन समेत दर्जनों स्थानों पर लोगों ने नाच गाकर और मूंगफली व रेवड़ियां बांटकर लोहड़ी पर्व मानाया।

रोटरी क्लब ने नपा सफाई कर्मचारियों के साथ मिलकर मनाई लोहड़ी

रादौर। रोटरी क्लब रादौर द्वारा शनिवार को नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों व पार्क कर्मचारियों के साथ लोहडी का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर क्लब के पूर्व प्रधान डॉ. एससी सैनी व मौजूद्धा प्रधान मंजीत सिंह पंजेटा के नेतृत्व में क्लब की ओर से नपा सफाई कर्मचारियों व पार्क कर्मचारियों को मुंगफलियां, गजक व रेवड़ियां वितरित की गई। क्लब के प्रधान सरदार मंजीत सिंह पंजेटा व पूर्व प्रधान डॉ. एससी सैनी ने कहा कि लोहड़ी का त्योहार अनेकों खुशियां साथ लेकर आता है। हमारे त्योहार हमारी सभ्यता का आईना हैं। त्योहार हमें हमारी प्राचीन सभ्यता के दर्शन करवाते हैं। प्राचीन काल से देश के लोग सभी धर्मों के त्योहार को मिलजुलकर मनाते आ रहे हैं। जो हमारी अनेकता में एकता का प्रतीक है। पंजेटा ने कहा कि कहा जाता है कि लोहड़ी पर्व का आगमन होने के बाद धुंध समाप्त हो जाती है और लोगों को ठंड से भी छुटकारा मिल जाता है। इस अवसर पर क्लब के सचिव जसवंत सिंह बंचल, डॉ. एससी सैनी, ब्रह्मप्रकाश टंडन, भारत माटिया आशु वर्मा, मोहनलाल अरोड़ा, देवीदयाल अरोड़ा, गगन कांबोज, अशोक गर्ग, भूपेंद्र गुप्ता, चारूल वशिष्ठ, नपा दरोगा जितेंद्र सिंह बिट्टू व दयाल सिंह चौकीदार आदि मौजूद रहे।

श्रीलाल द्वारा मंदिर में हुआ भजन कीर्तन का आयोजन

- भजन कीर्तन में जमकर झूमे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर के श्री लाल द्वारा मंदिर में शनिवार को लोहड़ी पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालु जमकर झूमे। मौके पर श्रद्धालुओं को मुंगफली व रेवड़ी का प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रुप में ग्रीन पार्क निवासी जगदीश मित्र दत्त का परिवार शामिल हुआ। श्री लाल द्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव सुरजीत मेहता ने बताया कि लोहड़ी पर्व पर कड़ाके की ठंड पड़ने के बावजूद सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालु पहुंचना शुरु हो गए थे।उन्होंने बताया कि मंदिर में सभी पर्व बड़ी श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम प्राण प्रतिष्ठा समारोह होना है और इसी उपलक्ष्य में माता जंगला वाले के मंदिर द्वारा रविवार को को शोभा यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा में बावा लाल के सेवक बढ़कर कर भाग लेंगे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर हर हिंदुस्तानी में बहुत जोश है और श्री लाल द्वारा मंदिर में भी 22 जनवरी को बड़ी स्क्रीन लगाकर अयोध्या में होने वाले कार्यक्रम का सीधा प्रसारण संगत को दिखाया जाएगा। मौके पर रमेश मेहता, योगेश शर्मा, दविंदर मेहता, केवल लूथरा, नरेंद्र ओबेरॉय, सोनू मेहता, सुरेंद्र लूथरा, मोनू मेहता, प्रदीप चड्ढा, बॉबी, पंडित गोपाल राज व पंडित रजनीश आदि मौजूद थे।

गुरु नानक खालसा कॉलेज समेत शिक्षण संस्थानों में धूमधाम से मनाया लोहड़ी व मकर संक्रांति पर्व

- विद्यार्थियों ने लोहड़ी के गीतों पर बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर के गुरु नानक खालसा कॉलेज समेत समेत विभिन्न शिक्षण संस्थानों में शनिवार को लोहड़ी व मकर संक्रांति का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान लोहड़ी के गीतों से विद्यार्थियों ने समां बांध दिया। मौके पर मूंगफली और रेवड़ियां बांटी गई।

कॉलेज में लोहड़ी पर खूब गाय लोक गीत

गुरु नानक खालसा कॉलेज में प्रिंसिपल डॉ. मेजर एचएस कंग ने लोहड़ी में अग्नि प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद प्रिंसिपल डॉ. मेजर एचएस कंग, स्टॉफ सदस्यों, प्राध्यापकों व विद्यार्थियों द्वारा लोहड़ी की अग्नि में मूंगफली, रेवड़ी व मक्की की दानों की आहुतियां देकर परिक्रमा की गई। मौके पर लोहड़ी की बोलियां बोली गई और लोक गीत गाए गए। कॉलेज प्राचार्य डॉ. मेजर एचएस कंग ने सभी को लोहड़ी की शुभकॉमनाएं व बधाई दी। मौके पर मकर संक्रांति का पर्व भी मनाया गया। उन्होंने कहा कि गुरु नानक खालसा कॉलेज हमेशा से ही लोकाचार को प्रमुखता देता आया है। इसलिए इस कड़ी में कॉलेज परिसर में लोहड़ी का त्योहार भी मनाया गया। मौके पर उन्होंने वाइस प्रिंसिपल डॉ. कमल प्रीत कौर सहित कॉलेज के पूरे स्टाफ और विद्यार्थियों को लोहड़ी की बधाइयां दी। लोहड़ी जलावन के बाद सभी लोगों में मूंगफली और रेवड़ी भी बांटी गई। कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सरदार रणदीप सिंह जौहर ने स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों को भी बधाइयां दी।

हवन आयोजित कर मनाई लोहड़ी

डीएवी गर्ल्स कॉलेज के वुमेन स्टडी सेंटर व योग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में लोहड़ी मनाई गई। इस दौरान डीएवी संस्थाओं के संस्थापक जगन्नाथ कपूर के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। आचार्य धर्मेंद्र शास्त्री ने यज्ञ में पूर्णाहुति मंत्रोच्चारण के साथ पूर्णाहुति डालवाई। डीएवी विद्यालयों के चेयरमैन विजय कपूर व समाजसेवी सुतेष बंता मुख्य यजमान रहे। कॉलेज की कार्यवाहक प्रिंसिपल डॉ. मीनू जैन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डीएवी विद्यालयों के चेयरमैन विजय कपूर ने कहा कि उनके पिता जगन्नाथ कपूर ने

ग्लोबल संस्थान में जमकर झूमें विद्यार्थी

ग्लोबल रिसर्च ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन नागरौन(रादौर) में शनिवार को लोहड़ी व मकर संक्रांति का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस संस्थान की वाइस चेयरमैन इंदू जिंदल ने सभी को लोहड़ी की शुभकॉमनाएं दी। मौके पर लोहड़ी की अग्नि के चारों तरफ परिक्रमा करते हुए लोहड़ी के लोक गीतों पर विद्यार्थियों व स्टॉफ सदस्यों ने जमकर डांस किया। संस्थान की वाइस चेयरमैन इंदू जिंदल ने कहा कि लोहड़ी का पर्व किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण है। हमारे देश में सभी त्योहारों को मिलजुल कर मनाने की परंपरा है और हमें इसी परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करना चाहिए।

अनेकता में एकता के प्रतीक होते हैं त्योहार

- रादौर के अस्सोरड मेरीटाइम (जॉब) परामर्श शिक्षण संस्थान में धूमधाम से मनाया लोहड़ी पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

रादौर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मार्ग स्थित अस्सोरड मेरीटाइम (जॉब) परामर्श शिक्षण संस्थान में विद्यार्थियों व स्टॉफ सदस्यों ने शनिवार को लोहड़ी पर्व धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ का पर्व मनाया गया। संस्थान के निदेशक मनीष चौधरी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने नाच गाकर खुशियां मनाई। संस्थान के निदेशक कैप्टन मनीष चौधरी ने बताया कि लोहड़ी का त्योहार अपने साथ अनेक खुशियां लेकर आता है। हमें सभी त्योहारों को आपस में मिलजुल कर मनाना चाहिए। त्योहार हमें एकता का संदेश देते हैं। प्राचीन काल से सभी धर्मों के लोग त्योहारों को मिलजुल कर मनाते आ रहे हैं। जो हमारी अनेकता में एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मुगल काल में बादशाह अकबर के समय में दुल्ला भट्टी नाम का एक युवक पंजाब में रहता था। उस समय कुछ अमीर व्यापारी कुछ समान के बदले इलाके की लड़कियों का सौदा कर रहे थे। तभी दुल्ला भट्टी ने वहां पहुंचकर लड़कियों को व्यापारियों के चंगुल से मुक्त कराया और फिर इन लड़कियों को बचाकर उनकी शादी करवाई। इस घटना के बाद से दूल्हा को भट्टी के नायक की उपाधि दी गई। उन्होंने बताया कि अस्सोरड मेरीटाइम प्रदेश का पहला इंस्टीट्यूट है। जो गारंटी के साथ विदेश मे पक्की नौकरी के लिए बच्चों को तैयार करता है। वहीं संस्थान की ओर से समय समय पर विद्यार्थियों को मर्चेंट नेवी के लिए गाइड करता है। उन्होंने बताया कि मर्चेंट नेवी में युवकों का भविष्य उज्जवल है। जिसमें अच्छे पैकेज पर वे विदेश में बेहतर रोजगार पा सकते हैं।

समाज के उत्थान और सेवा के लिए करें कार्य:आचार्य

यमुनानगर। जिले के घाढ़ क्षेत्र में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शनिवार को समापन हो गया। इस अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कथाव्यास स्वामी प्रकाशानंद आचार्य ने कहा कि आज का इंसान अपने मूल उद्देश्य से भटक रहा है। वह अपने स्वार्थ के लिए पथमार्ग की ओर बढ़ने लगा है। उससे मानवता तो कलंकित हो ही रही है। वहीं सामाजिक वातावरण भी प्रदूषित होता जा रहा है। जिसे बचाने के लिए संतो-महापुरूषो को आगे आना होगा। कथाव्यास स्वामी प्रकाशानंद आचार्य ने फरमाया कि संसार मे भक्त कबीर , गुरू नानक देव , संत शिरोमणी श्री गुरू रविदास समेत जितने भी पैगम्बर अवतरित हुए हैं सभी ने जात पात का खंड़न कर इंसान को प्रेम, भाईचारा, दया व मानवता वाला जीवन जीने की प्रेरणा दी। लेकिन आज इंसान अपने निजी स्वाथारे के खातिर पैगम्बरो के इस संदेश को भुलकर समाज मे जाति-पाति व वर्ग विशेष की बात फैलाकर इंसानों मे ईष्या व द्वेष की भावना फैला रहा है। जिससे समाज मे मानवता को ग्रहण लग रहा है। आचार्य ने फरमाया कि इंसान छोटा हो या बड़ा अमीर हो या गरीब छोटी जाति का हो या फिर बड़ी जाति का हो या फिर चाहे किसी विशेष वर्ग से संबधित हो सभी एक परम पिता की संतान है।

स्वागत नमो व मनो के प्रयासों से व्यवस्था परिवर्तन का चल रहा है दौर:घनश्याम

विकसित भारत संकल्प यात्रा का किया स्वागत

- सरकार डिजिटल इंडिया के तहत लोगों को अब घर बैठे ऑनलाइन सरकारी योजनाओं को लाभ मिल रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बनाने के संकल्प को लेकर सरकार द्वारा चलाई जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा ने शनिवार को नगर निगम क्षेत्र में प्रवेश कर लिया। यात्रा के दौरान वार्ड नंबर 10 व 11 में चिट्टा मंदिर रोड स्थित संत शीतल गिरी विद्या मंदिर स्कूल व वार्ड नंबर 15 के विजय कॉलोनी पार्क में जनसंवाद कार्यक्रम हुए। दोनों स्थानों पर विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने मुख्यातिथि के रुप में व निवर्तमान मेयर मदन चौहान विशिष्ट अतिथि के रुप में भाग लिया। मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश सपरा भी मौजूद रहे। इस दौरान निगम आयुक्त आयुष सिन्हा व संयुक्त निगम आयुक्त नीलम मेहरा ने दोनों अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन किया। मुख्यातिथि एवं सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि सरकार डिजिटल इंडिया के तहत लोगों को अब घर बैठे ऑनलाइन सरकारी योजनाओं को लाभ मिल रहा है। अब लोगों को भटकने की आवश्यकता नहीं है। सरकार खुद उनके पास चलकर आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में सरकार अंत्योदय के सपने को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। यह यात्रा इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। एक ही स्थान पर लोगों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि नमो व मनो के प्रयासों से व्यवस्था परिवर्तन का दौर चला है, उसी का परिणाम है कि समाज के अंतिम व्यक्ति को घर बैठे सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। सरकार की योजनाओं से वंचित लोगों को भी लाभ देने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प एवं जनसंवाद यात्रा एक मील का पत्थर साबित होगी।

यमुनानगर। के वार्ड नंबर 10 व 11 में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में लोगों को सम्मानित करते हुए विधायक घनश्याम दास अरोड़ा व यमुनानगर के वार्ड नंबर 15 में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में मौके पर बनाई जा रही लोगों की पेंशन के दौरान संबंधित कर्मचारियों की कार्यप्रणाली का अवलोकन करते हुए निवर्तमान मेयर मदन चौहान।

तीनों वार्डों में कराए 44 करोड़ के विकास कार्य

विशिष्ठ अतिथि एवं निवर्तमान मेयर मदन चौहान ने लोगों से सीधा संवाद करते हुए बताया कि जनता के बीच सरकारी योजनाओं का लाभ देना मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो बोलते हैं। उसकी गारंटी होती है। धारा 377 हटाने, 35ए को समाप्त करनेए श्रीराम जन्मभूमि पर श्रीराम मंदिर का निर्माण कराने की मोदी ने गारंटी दी थी। आज वे यह सब कुछ कर चुके है। उन्होंने बताया कि वार्ड 10 व 11 में हमने लगभग 35 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य करवाए गए हैं। मौके पर कई लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए और कई लोगों की पेंशन बनाई गई। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने भी लोगों को केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं से अवगत करवाया।

खबर संक्षेप

लाइफ स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम आयोजित

कुरुक्षेत्र। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ज्योतिसर में पांच दिवसीय लाइफ स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम की सह संयोजिका नेहा गोयल ने बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पेपर बैग, पॉट डेकोरेट, कैंडल मेकिंग, पेपर फ्लावर, शगुन एनवेलप, आचार, जैम, पेंटिंग, ड्राइंग इत्यादि बनाना सीखा। कैंप के दौरान कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, डाकघर, एनएस के विभाग से रिसोर्स पर्सन ने कैंप में विद्यार्थियों को अपने विभाग तथा उनके लाभ से अवगत करवाया।

भाजपा का राज्य स्तरीय युवा सम्मेलन पूरी तरह से फेल

कुरुक्षेत्र। युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राजन बोड़ला ने बताया कि युवा वर्ग बेरोजगारी से परेशान और हताश है। देश व प्रदेश में बेरोजगारी की दर आज तक के इतिहास में सबसे ज्यादा है। युवा बेराजगारी के कारण देश से पलायन करने पर मजबूर है। युवा अन्य देशों में जाकर अपने आप का भविष्य देख रहा है। आज हरियाणा प्रदेश देश बेरोजगारी में नम्बर एक पर है। हरियाणा की सरकार युवाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है।

उदयन केयर कुरुक्षेत्र ने मनाई 30वीं वर्षगांठ

कुरुक्षेत्र। उदयन केयर संस्था की वार्षिक जयंती मनाई गई। इस संस्था का मुख्य कार्यालय दिल्ली में स्थित है। इस वर्ष उदयन केयर अपनी तीसवी वर्षगांठ मना रही है। कुरुक्षेत्र में आईटी सेंटर की शुरूवाद 2018 में हुई। उदयन घर को भी अरडर की आर्थिक सहायता से अपना घर मिला। इस अवसर पर विशेष रूप से उदयन केयर मुख्य कार्यालय दिल्ली से प्रशासनिक अधिकारी दीपक कश्यप, उदयन केयर संस्था कुरुक्षेत्र की संयोजिका डॉ सुषमा शर्मा व उपसंयोजक डॉ रामनिवास उपस्थित हुए।

डीएलएसए आमजन को दे रहा कानूनी जानकारी

कुरुक्षेत्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र के सचिव एवं सीजेएम नितिन राज ने कहा कि हालसा के वार्षिक एक्शन प्लान के तहत और जिला एवं सत्र न्यायाधीश आराधना साहनी के दिशा निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र द्वारा 1 जनवरी से जागरुकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है और इन जागरुकता शिविरों का आयोजन 31 जनवरी तक लगातार किया जाएगा। इन शिविरों में डीएलएसए द्वारा नालसा और हालसा की विभिन्न स्कीमों पर आमजन को जानकारी देकर जागरुक किया जा रहा है।

जीवन में विवेकानन्द के विचारों को अपनाएं

कुरुक्षेत्र। नेहरू युवा केन्द्र कुरूक्षेत्र द्वारा आर्य कन्या महाविद्यालय शाहबाद मारकंडा में संस्कृत विभाग एवं एनसीसी युनिट के सयुंक्त तत्त्वावधान में राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के पद को महाविद्यालय की प्रबन्धकारिकी समिति के प्रधान रामलाल ने तथा विशिष्ट अतिथि के पद को पंडित चिरंजीलाल राजकीय महाविद्यालय के हिन्दी विषय के सहायक प्रोफैसर डॉ. सुनील दत्त ने सुशोभित किया।

समाज के सब लोगों को मिलकर मनाने चाहिए त्योहार

जिले में धूमधाम से मनाया गया लोहड़ी का त्योहार

- लोहड़ी पर्व समृद्ध भारतीय संस्कृति का प्रतीक है, जो समाज को जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिला भर में लोहड़ी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के प्रांगण में शनिवार को लोहड़ी का पर्व धूमधाम से मनाया। कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान ने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को लोहड़ी एवं मकर संक्रांति की बधाई दी।

उन्होंने कहा कि यह पर्व समृद्ध भारतीय संस्कृति का प्रतीक है, जो समाज को जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि त्यौहारों की अपनी एक मर्यादा है। समाज के सब लोगों को मिलकर त्यौहार मनाना चाहिए। प्राचार्य डॉ. देवेंद्र खुराना ने कहा कि जिस घर में लड़का पैदा होता है उस घर की पहली लोहड़ी के रूप में यह त्यौहार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। लेकिन आजकल लोगों ने बेटे-बेटियों में फर्क मिटा दिया है जो समाज का सराहनीय कदम है, और बेटियों की लोहड़ी भी बड़े धूमधाम से मनाई जाती है।

इसके अलावा हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चंडीगढ़ निवास स्थान पर श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के वार्षिक वॉल कैलेंडर और डायरी का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान और कुलसचिव डॉ. नरेश भार्गव को बधाई दी।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जो परंपरागत चिकित्सा पद्धति में शिक्षा के साथ-साथ चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध करवा रहा है। कुलपति प्रो. वैद्य कतार सिंह धीमान ने श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के वॉल कैलेंडर और डायरी के विमोचन के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार प्रकट किया।

कुरुक्षेत्र। लोहड़ी उत्सव में मौजूद कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा व कुंटिया कर्मचारी।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय गैर शिक्षक संघ ने मनाया लोहड़ी पर्व

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय गैर शिक्षक संघ की ओर से लोहडी व मकर संक्राति का पर्व बडी धूमधाम से मनाया गया जिसमें कर्मचारियों ने बढ़-चढ कर भाग लिया। कुंटिया के प्रेस सचिव अमित भुक्कल ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा और विशिष्ट अतिथि के तौर पर कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा मौजूद रहें। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा व कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा ने अग्नि प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की और इस अवसर पर सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को लोहडी व मकर संक्राति की बधाई दी। कुंटिया प्रधान राजवंत कौर व कुंटिया महासचिव रविन्द्र तोमर ने कहा कि लोहड़ी य मकर संक्राति का त्यौहार आपसी सद्भावना व भाईचारे का प्रतीक है। इस पर्व से सकारात्मक उर्जा का संचार होता है। उन्होने कहा की ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन से आपसी एकता व समरसता का विकास होता है। इस अवसर पर वरिष्ठ उपप्रधान भूषण कुमार, उप-प्रधान नरेश कुमार, सह-सचिव मनीष बाल्दा, प्रेस सचिव अमित भुक्कल, कोषाध्यक्ष अर्जुन सिंह व सभी कायाकारिणी सदस्य, पूर्व प्रधान नीलकंठ शर्मा, पूर्व महासचिव अनिल लोहट, पूर्व महासचिव यशपाल सैनी, पूर्व महासचिव भारत भूषण, रूपेश खन्ना, संत कुमार, राजकुमार ढींगरा, राजकुमार सरदाना, नरेन्द्र वर्मा, अजय शर्मा, डा. जीत सिंह शेर, जगबीर ढांडा, राजपाल मोये, विजय शर्मा, शक्ति, चतर सिंह, शमशेर चौहान व बलराम, जसबीर, गुरदास सैनी, रोहित, मुकेश, कुलदीप यादव, रमेश मास्टर, बाली, प्रदीप, रीषी पाल, जय नारायण मलिक आदि उपस्थित रहे।

कुवि में लोहड़ी का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के जूलोजी विभाग, सांख्यिकी, अंग्रेजी, पंजाबी, यूआईईटी संस्थान, फार्मेसी संस्थान, पंजाबी विभाग सहित विभिन्न विभागों व संस्थानों में लोहड़ी का पर्व शनिवार को बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जूलोजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दीपक राय बब्बर ने कहा कि लोहड़ी का त्योहार अपने आप में बहुत महत्व रखता है क्योंकि यह त्योहार युवाओं के लिए उमंग भरा होता है। विभिन्न विभागों में आयोजित कार्यक्रम में प्रो. बजेश साहनी, प्रो. रश्मि वर्मा, प्रो. सुनीता सिरोहा, प्रो. रामनिवास, डॉ. अनिता भटनागर, डॉ. मुकेन्द्र कादियान, डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज, डॉ. जितेन्द्र खटकड़ व विभाग के अन्य शिक्षक, सभी विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

जन सहयोग संस्था ने मनाया लोहड़ी पर्व

शहर की सुप्रसिद्ध संस्था जन सहयोग ने कुरुक्षेत्र नागरिक हस्पताल के नजदीक जोगी बस्ती में लोहड़ी के पर्व पर ऐसे बच्चों के लिए एक पाठशाला की शुरूआत कि है जो बच्चे स्कूल नही जाते। संस्थापक मास्टर जितेंद्र ने बताया कि इस पाठशाला का मुख्य उद्देश्य ये है कि यहाँ पर रह रहे सभी बच्चों को शिक्षा दी जा सकें। इस मौके पर बस्ती से सभी परिवारों ने इस पर्व पर हिस्सा लिया व संस्था के साथ मिलकर इस आयोजन का आनंद लिया। संस्था सदस्य मिथुन समाना ने बताया कि इस पाठशाला में पहले दिन लगभग 20 से 25 बच्चों ने हिस्सा लिया व सभी बच्चों को किताबें व जरूरत का समान दिया गया। संस्था अध्यक्ष श्रवणकुमार ने बताया कि शिक्षा से ही बच्चों व देश का भविष्य उज्ज्वल होगा इसलिए ही इस पाठशाला की शुरूआत जन सहयोग संस्था द्वारा की गई है। संस्था के वरिष्ठ सदस्य अंगुरीलाल जी द्वारा बच्चों को लड्डू,रेवड़ी मुंगफली बाँट कर लोहड़ी का त्योहार मनाया गया। इस मौके पर जितेंद्र, श्रवण कुमार, मिथुन समाना, अंगुरीलाल, डिम्पल, गगनदीप,मेघा, सुरजकमल सेठ,विपिन आदि सदस्य मौजूद रहे।

कला कीर्ति भवन में मनाई लोहड़ी

कुरुक्षेत्र। लोक कलाकार सदैव अपनी प्रतिभा तथा हुनर से अपने प्रदेश की संस्कृति का परिचय देते हैं। लोक संस्कृति ही किसी भी प्रदेश को महान बनाती है। लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की जानी वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां न केवल उनके प्रदेश की सभ्यता व संस्कृति का बखान करती है, बल्कि उस प्रदेश के सामाजिक परिवेश का भी दर्शन कराती हैं। ये कहना था विद्या भारती संस्कृति शिक्षण संस्थान कुरुक्षेत्र के निदेशक डा. रामेंद्र सिंह का।

बच्चों की प्रतिभा को सामने लाना अभिभावकों एवं संस्थाओं का नैतिक दायित्व : संदीप सिंह

पिहोवा। लोहड़ी मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में पृथु वेलफेयर सोसाइटी की ओर से पृथु पार्क में रंगारंग एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम करवाए गए। इनमें बतौर मुख्यातिथि राज्य मंत्री सरदार संदीप सिंह ने हिस्सा लिया। दीप प्रज्वलित करने के बाद राज्य मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि सभी बच्चों में प्रतिभा होती है। अभिभावक अपने बच्चों की प्रतिभा पहचान कर उन्हें मंच तक लाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को लक्ष्य निर्धारित करके स्वामी विवेकानंद के पद चिन्हों पर चलना चाहिए। जिसका कोई लक्ष्य नहीं होता।

लोहड़ी सद्भावना से रहने का संदेश देती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

तुलसी देवी मेमोरियल पब्लिक स्कूल नजदीक स्थानेश्वर महादेव मंदिर में भाजपा नेता कृष्ण बजाज द्वारा लोहड़ी का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। राजनीतिक गलियारों में उनके कार्यक्रम को लेकर चर्चा चल रही है कि भारतीय जनता पार्टी की थानेसर टिकट से कृष्ण बजाज ने चुनाव लड़ने का अपना मजबूत दावा शक्ति प्रदर्शन करते हुए ठोक दिया है। चुनावी वर्ष होने की वजह से सभी राजनीतिक लोग किसी न किसी कारण से अपना शक्ति प्रदर्शन व अपने समर्थकों को एकजुट करते नजर आ रहे हैं। वहीं कृष्ण बजाज ने अपना मजबूत दावा ठोकर कड़कती ठंड में राजनीतिक गलियारों में गर्मी पैदा कर दी है।

ये रहे मौजूद

लोहड़ी मिलन-समारोह में कृष्ण बजाज के पारिवारिक सदस्यों के अलावा, 84 कोस के मदन मोहन छाबड़ा, पंजाबी एकता परिषद के प्रधान जितेंद्र ढींगरा, परिषद के कई अन्य वरिष्ठ सदस्य, राजेश अरोड़ा, अशोक वासुदेव, राकेश गाबा, ढीनानाथ अरोड़ा, कृष्ण धमीजा, प्रेम नारायण अवस्थी,बलदेव डाबरा,हरीश अरोड़ा, ललित चावला, सुदेश पाल, शिवा, मोनू पंडित, अमरनाथ, अवतार सिंह, जगत राम, रविंदर, गनपत, राजीव राणा, श्रवन, रेनू खुंगर, रजनी गाबा वनिता बजाज आसपास के गांव से आए कई सरपंच, पंच, भारतीय जनता पार्टी के कई वरिष्ठ कार्यकर्ता, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल व अन्य संगठनों के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पंजाबी और हरियाणवी धुनों ने थीम पार्क में मनाई लोहड़ी

- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सांसद नायब सिंह व विधायक सुभाष सुधा ने प्रदेश वासियों को दी लोहड़ी पर्व व मकर संक्रांति की शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणवी व पंजाबी लोक गीतों व वाद्य यंत्रों ने थीम पार्क के लोहड़ी पर्व को ऐतिहासिक व यादगार बनाने का काम किया। इस लोहड़ी पर्व को विधायक सुभाष सुधा ने थानेसर विधानसभा के लोगों के लिए आयोजित किया। इस लोहड़ी कार्यक्रम में हजारों लोगों ने भाग लिया और हरियाणवी और पंजाबी धुनों ने सांसद नायब सिंह सैनी, विधायक सुभाष सुधा के साथ-साथ आम नागरिकों को भी झूमने पर मजबूर कर दिया। इस पर्व की परंपरा को निभाते हुए प्रदेशाध्यक्ष नायब सिंह सैनी व विधायक सुभाष सुधा ने लोहड़ी पर्व की पूजा-अर्चना की और मंत्रौच्चारण के बीच लोहड़ी की अग्नि में आहुती डाली।

इस लोहड़ी पर्व पर हरियाणा कला परिषद के बेहतरीन कलाकार महाबीर गुड्डू के साथ-साथ कच्ची घोड़ी व पंजाबी लोक गीतों ने शमां बांधने का काम किया। विधायक सुभाष सुधा ने थीम पार्क में लोहड़ी पर्व को लेकर एक भव्य और शानदार कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम को परंपरा अनुसार मनाने के लिए विधायक सुभाष सुधा की तरफ से भव्य पांडाल और अन्य व्यवस्थाओं के प्रबंध किए गए। इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष नायब सिंह सैनी व विधायक सुभाष सुधा सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ताओं ने शिरकत की और उन्होंने प्रदेशवासियों को नव वर्ष, लोहड़ी पर्व और मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व सभी के जीवन में नई खुशियां और उमंग लेकर आए। इससे पहले भाजपा प्रदेशाध्यक्ष नायब सिंह सैनी, विधायक सुभाष सुधा, नप की निवर्तमान अध्यक्षा उमा सुधा, जिला परिषद की अध्यक्षा कंवलजीत कौर, उपाध्यक्ष डीपी चौधरी, भाजपा के युवा नेता साहिल सुधा, चेयरमैन धर्मवीर मर्जिपुर, कुलपति डा. सोमनाथ सचदेवा, कुलसचिव डा. संजीव शर्मा, भाजपा युवा प्रदेशाध्यक्ष राहुल राणा, पूर्व सांसद कैलाशो सैनी सहित अन्य भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने समाज की बुराई को खत्म करने के लिए लोहड़ी की पवत्रि अग्नि में आहुती भी डाली।

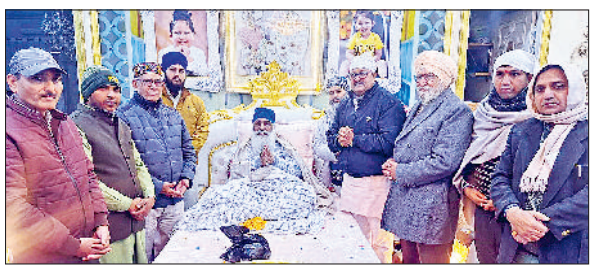

कुरुक्षेत्र। ग्रामीणों को संबोधित करते सुरेंद्र सैनी। 13केयूके23

गठबंधन सरकार को सत्ता से बाहर करने का जनता ने बना लिया है मन : सुरेंद्र सैनी

कुरुक्षेत्र। कांग्रेस ओबीसी सेल के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सैनी भिवानी खेड़ा ने कहा है कि अहंकार में डूबी प्रदेश की गठबंधन सरकार को प्रदेश की जनता अबकि बार बाहर का रास्ता दिखाएगी। सरकार से हर वर्ग परेशान है। अब जनता ने मन बना लिया है कि प्रदेश में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनेगी। वे थानेसर खंड के गांवों में 21 जनवरी को कुरुक्षेत्र में होने वाली कांग्रेस की रैली को लेकर ग्रामीणों को न्यौता देने के दौरान संबोधित कर रहे थे। उन्होंने गठबंधन सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि आज प्रदेश में युवाओं के पास रोजगार नहीं है। महंगाई की मार लगातार गरीबों पर पड़ रही है। घर की रसोई में प्रयोग होने वाला जो गैस सिलेंडर कांग्रेस सरकार में 400 रूपए का मिलता था आज वही गैस सिलेंडर 1100 रूपए तक पहुंच गया है। इस मौके पर पाला राम सिंगापुरा, रोशन लाल जांगड़ा, वेद प्रकाश सैनी, मनीश सैनी, पवन कुमार, श्याम लाल सैन, पवन सैनी, सतीश कुमार, गुरनेक सैनी, जयचंद, राजकुमार, विकास कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अनूप धानक ने खैहरा फार्म लुखी में सुनीं समस्याएं

- हर वर्ग के लिए सोच कर कार्य कर रही सरकार : राज्य मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा के राज्य मंत्री अनूप धानक ने कहा है कि हरियाणा सरकार हर वर्ग को ध्यान में रखकर विकास कार्य कर रही है। आज हर वर्ग के लोगों के हित में सरकार द्वारा कार्य किया जा रहा है। वे गत दिवस गांव लुखी स्थित खैहरा फार्म पर जन समस्याओं को सुन रहे थे। यहां पहुंचने पर जजपा के युवा जिला अध्यक्ष डॉ. जसविंदर खैहरा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। यहां राज्यमंत्री अनूप धानक ने सैकड़ो की संख्या में पहुंचे ग्रामीणों कि समस्याओं को सुना और काफी समस्याओं का मौके पर ही निपटान किया। राज्य मंत्री अनूप धानक ने अपने संबोधन में कहा कि आज प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश खूब तरक्की कर रहा है। युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री का लक्ष्य है कि प्रदेश का कोई भी युवा बेरोजगार न रहे। हर युवा को रोजगार के अवसर प्राप्त हो ऐसे प्रयास किया जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतरीन तरीके से कार्य किया जा रहा है। शहरों की तर्ज पर गांव को बसाने का कार्य किया जा रहा है।

कुरुक्षेत्र। खैहरा फार्म पहुंचे राज्यमंत्री अनूप धानक का कार्यकर्ताओ के साथ स्वागत करते डॉ. जसविन्द्र खैहरा।

लाडवा। लोहार गांव वासियों के साथ विक्रमजीत सिंह चीमा।

लाडवा हलके का विकास करवाना लक्ष्य : विक्रमजीत

लाडवा। लाडवा हल्का के गांव लोहारा में सरदार विक्रम चीमा चेयरमैन ब्लॉक समिति पिपली का ग्रामीणों से रूबरू हुए स्वागत किया और अपना समर्थन दिया। गांव वासी सरदार विक्रम चीमा चेयरमैन के विचारो से बहुत उत्साहित हुए ग्रामीणों ने चीमा को हर संभव से योग देने का किया आश्वासन उन्होंने कहा कि उनके द्वारा शुरू की गई मुहिम में हम उनके साथ हमेशा खड़े हैं और सबको साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं उन्होंने कहा कि हलके का व्यक्ति ही अपने हल्के का विकास करवा सकता है विक्रमजीत सिंह चीमा ने कहा कि मेरा लक्ष्य लाडवा हल्के का अधिक से अधिक विकास करवाना है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार युवाओं को रोजगार देने में असमर्थ रही है इसलिए युवा पीढ़ी आज अपने परिवारों को छोड़कर वा अपने घर तक को गिरवी रखकर विदेश में अपना भविष्य तलाश रहे हैं। इस मौके पर मनिंदर सिंह, कुलवंत सिंह, जगदीश सिंह, बलदेव सिंह, गुरचरण सिंह, सतबीर सिंह, दीवान सिंह, गुरमेल सिंह, नैब सिंह, शमशेर सिंह, गुरजीत सिंह, रोहित, अमनदीप सिंह, गुरदयाल सिंह, माम चंद और भूपिंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

रोडवेज चालकों व परिचालकों का शोषण कर रही सरकार : मायाराम

कुरुक्षेत्र। ऑल हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन 1947 के राज्य वरिष्ठ उपप्रधान मायाराम उनियाल, राज्य प्रेस प्रवक्ता बलदेव सिंह मामू माजरा, डिपो प्रधान नरेंद्र पांचाल एवं सचिव रणजीत करोड़ा ने कहा कि राजनीतिक स्वार्थ के लिए हरियाणाा सरकार रोडवेज चालकों व परिचालको का शोषण कर रही है। उन्होंने बताया कि कुछ दिनों पहले मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार जन संवाद के लिए उमरी गांव पहुंचे थे, उसमें कुछ लोगों ने मुख्यमंत्री के सामने उमरी चौक पर सभी लंबे रूटों की बसों को रोकने की मांग रखी थी। इस पर मुख्यमंत्री ने कुछ बसों के बारे में रोकने के लिए बोल दिया था लेकिन मुख्यालय ने सभी बसों के आदेश उमरी चौक से नीचे लाने के कर दिए जो सरासर गलत है। उन्होंने बताया कि पिपली चौक से लेकर उमरी चौक तक ट्रक मार्केट है। दोनों तरफ गाड़ियां खड़ी रहती है और रॉन्ग साइड गाड़ियां भी आती है जिस कारण वहां जाम लगा रहता है। जाम के कारण लॉन्ग रूट की गाड़ियां लेट हो जाती है। लॉन्ग रूट की गाड़ियां पंजाब, हिमाचल, राजस्थान, यूपी, जम्मू कश्मीर हरियाणा की गाड़ियां पीपली होकर गुजरती है। कई बार तो विभाग की आय अधिक लाने के चक्कर में एक दूसरी गाड़ी को पार भी करना पड़ता है। हरियाणा रोडवेज का चालक परिचालक अपनी-अपनी जिम्मेवारी बखूबी निभाते हैं। वह पब्लिक का भी ध्यान रखते हैं कि उनको अपने गंतव्य स्थान पर समय पर पहुंचाते है।

फिनिक्स क्लब की नई टीम का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

समाजसेवा के क्षेत्र में फिनिक्स क्लब की अहम भूमिका: सुभाष

- धीरज गुलाटी बने फिनिक्स क्लब के नए प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

थानेसर विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि समाजसेवा के क्षेत्र में सामाजिक संस्था फिनिक्स क्लब की अहम भूमिका है। फिनिक्स क्लब हमेशा समाज सेवा के कार्यों में अग्रणी रहता है। यही वजह है कि समाजसेवा के क्षेत्र में इतने कम समय में फिनिक्स क्लब ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। आज फिनिक्स क्लब के नाम पर धर्मनगरी में नेकी की दीवार, फिनिक्स चौक, फिनिक्स रोड, फिनिक्स पिल्लर स्थापित है। फिनिक्स क्लब द्वारा एक नही बल्कि अनेक सेवा प्रकल्प चलाये जा रहे हैं। जिला प्रशासन और समाज को जब भी किसी सहयोग की जरूरत होती है तो फिनिक्स क्लब सेवा के लिए हमेशा सबसे अगली पंक्ति में खड़ा मिलता है और जरूरत पड़ते ही उस काम को पूरा कर देता है। वे रेलवे रोड स्थित होटल पर्ल मार्क में फिनिक्स क्लब की नई टीम 2024 के शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम संकल्प में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नवनियुक्त प्रधान धीरज गुलाटी को उनकी नियुक्ति पर बधाई दी। प्रधान फिनिक्सियन विजेश ऐलावादी ने सचिव दीपक, कोषाध्यक्ष डॉ. नीरज झांब, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. राजेश वधवा, उपाध्यक्ष कीर्ति खोसला, विंग की प्रधान आशिमा गुलाटी, सचिव सोनिका वधवा, जूनियर विंग टिनिक्स के प्रधान यशिक अरोड़ा को शपथ दिलवाई। धीरज गुलाटी ने कहा कि समाज सेवा कार्यों को गति देने के लिए इस क्लब का गठन 7 साल पहले किया गया था। इतने कम समय में ही क्लब ने जिला ही नहीं प्रदेश भर में सेवा के नए आयाम स्थापित कर अपनी एक अलग पहचान बना ली है। थानेसर शहर को सुंदर बनाने की बात हो या किसी जरूरतमंद तक सहयोग पहुंचाने की बात हो, आज तक फिनिक्स क्लब ने सभी कार्यों को समय से पहले पूरा कर पूरे समाज को प्रेरणा देने का काम किया है। उन्होंने समाजसेवा के कार्यों के लिए क्लब के पदाधिकारियों को साधुवाद देने के साथ-साथ हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

कुरुक्षेत्र। फिनिक्स क्लब की नवनियुक्त कार्यकारिणी।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं राजकुमार अरोड़ा, अन्नु मदान, सुषमा शर्मा, संतोष शर्मा, प्रोमिला खेत्रपाल को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रोजेक्ट चेयरमैन डॉक्टर जेपी केसरी रहे। इस मौके पर पूर्व प्रधान विवेक कक्कड़, विशाल मदान, अश्वनी अरोड़ा, अमित अरोड़ा, विनीत अग्रवाल, अरुण गुप्ता, नरेश सिंगला, रविनंदन आहूजा, जेपी केसरी, प्रदीप बिड़ान, गिन्नी कक्कड़, गुरसेवक सिंह, कीर्ति खोसला, दिनेश अनेजा, जश्न अरोड़ा, जितेंद्र मेहता, राजेश छाबड़ा, राजेश पोपली, संजीव छाबड़ा, सुनील कालड़ा, शिवम ढींगरा, तरुण ढींगरा, आशिमा गुलाटी, समीना चिब, भूमिका झांब, सविता अरोड़ा, शीतू गुप्ता, निधि कक्कड़, ज्योति आहूजा, मधु केसरी, नीरा कक्कड़, मलविंदर कौर, ज्योति खोसला, रेनू सिंगला, नैना अनेजा, अंजू पोपली, मधु केसरी, सपना ढींगरा, पूजा अग्रवाल, सोनिका वधवा, अनिता कालड़ा, अंजना सिंगला, अमित गुलाटी, ऐनी गुलाटी आदि भी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला से सामान चोरी

बराड़ा। राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला बाजीगर बस्ती से अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। स्कूल मुखिया ने पुलिस को बताया कि उनके स्कूल से दो बडे पतीले सिल्वर , एक बडा पतीला पीतल , दो बाल्टी सिल्वर , एक लोहे की कडाही , एक गैस सिलेंडर, एक प्रेशर कुकर, एक स्टील की बाल्टी चोरी हुई है।

सड़क दुर्घटना में मौत का मामला दर्ज

बराड़ा। सडक़ दुर्घटना में गांव थंबड़ के भीम सिंह की मौत हो गई थी। गांव गौतम सिंह ने बताया कि उसके पिता भीम सिंह बीती 11 को घर से ये कहकर निकले थे कि वह पहले खेतों में फिर बराड़ा जाएगा। शाम को लगभग 7:30 बजे उसके पास दोस्त कर्म सिंह का फोन आया कि उसके पिता भीम सिंह की हादसे में मौत हो गई है।

धोखाधड़ी के मामले में आरोपित गिरफ्तार

अंबाला। धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को काबू किया है। इसके बाद उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। थाना बलदेव नगर में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने आरोपी नरेंद्र शर्मा उर्फ अमित कुमार से पूछताछ की। अनाजमंडी के रहने वाले विक्रम पाल ने 2 सितंबर 2023 को शिकायत दर्ज करवाई थी।

शादी का लालच देकर दुष्कर्म का आरोप

अंबाला। रोहतक पीजीआई में भाई के दिल का उपचार करवाने गई एक युवती को झज्जर के युवक ने अपने जाल में फंसा लिया। युवक ने पहले युवती से हमदर्दी जताई। फिर उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद जेल जाने के डर से युवक ने युवती से शादी रचा दी। अब उसे धक्के देकर घर से निकाल दिया। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

रागगीरी के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन

कुरुक्षेत्र। रागगीरी संस्था के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन आज विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान में किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. रामेंद्र सिंह ने कैलेंडर का विमोचन किया। इस वर्ष कैलेंडर में भारत रत्न से सम्मानित 6 कलाकारों को विषय बनाया गया है। इसमें एमएस सुब्बुलक्ष्मी, पंडित रविशंकर को शामिल किया है।

नायब सैनी की टीम में सबसे युवा जिला अध्यक्ष ने प्रदेशाध्यक्ष से लिया आशीर्वाद

गांव-गांव घर-घर जाकर सरकार की नीतियों की जानकारी दें : प्रदेशाध्यक्ष

अंबाला लोकसभा समेत चारों विधानसभा में फिर खिलेगा कमल, राणा को प्रदेशाध्यक्ष ने दिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

नारायणगढ़। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष मनदीप राणा को मिठाई खिलाकर आशीर्वाद देते प्रदेशाध्यक्ष नायब सिंह सैनी।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी की टीम के सबसे युवा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा ने शनिवार को प्रदेशाध्यक्ष से मुलाकात की। गांव मर्जिपुर माजरा में पहुंचकर राणा ने उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान जिला अध्यक्ष मनदीप राणा के साथ अंबाला शहर के विधायक असीम गोयल और भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी के गांव मर्जिपुर पहुंचे मनदीप राणा, विधायक असीम गोयल का ढोल की थाप पर नाचते हुए अभिनंदन किया। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष ने सबसे पहले प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी के चरण स्पर्श उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान मनदीप राणा ने प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी को पगड़ी पहनाकर व तलवार भेंट कर संगठन में जिला अंबाला की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं ने अध्यक्ष मनदीप राणा को भी पगड़ी पहनाकर उनका भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि युवा जिस जोश, जुनून और मेहनत के साथ भारतीय जनता पार्टी में कार्य कर रहे हैं। उस मेहनत का फल उन्हें जरूर मिलना चाहिए। सैनी ने कहा कि मनदीप राणा ऐसी मजबूती के साथ काम करेंगे जिससे अंबाला लोकसभा में और अंबाला की चारों विधानसभाओं में कमल खिलेगा। इसी मजबूती के साथ सभी कार्यकर्ता भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मनदीप राणा सभी कार्यकर्ताओं को एक साथ लेकर आगे बढऩे का कार्य करेंगे। उन्होंने जिला प्रधान मनदीप राणा को नव दायत्वि व लोहड़ी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आने वाले लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव में तीसरी बार भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के लिए पूरी तत्परता और सक्रियता से सभी कार्यकर्ता जुट जाएं और गांव-गांव घर-घर भाजपा की नीतियों व सरकार के कार्यों की जानकारी दें जिससे की पात्र लोग उनका लाभ उठा सके। संजीव गोयल टोनी, सुंदर ढींगरा, पूर्व मेयर रमेश मल, मंडल प्रधान रणदीप सिंह बांका सैनी, जसवद्रिं सिंह बख्तुआ, प्रवीन धीमान, नायब सिंह सैनी रज्जूमाजरा, राजू मक्कड़, अशोक साहनी, गुरवद्रिं सिंह मानकपुर, दिनेश लदाणा, मनीष आनंद मन्नी, अनुभव अग्रवाल, गुरजंट सिंह, अनिल गुप्ता, सुरेंद्र राणा बडी बस्सी के साथ-साथ अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अपने वादों को निभाए प्रदेश सरकार: अरोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

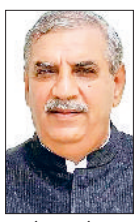

अशोक अरोड़ा।

पटवारी एवं कानूनगो संगठन द्वारा जारी धरना-प्रदर्शन को लेकर पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक अरोड़ा ने कहा कि सरकार ने इनके साथ धोखा किया है। पिछली बार सरकार ने इनकी मांगे मानने का आश्वासन दिया था। लेकिन उस पर अमल नहीं किया। इसी वजह से पटवारी और कानूनगो 3 जनवरी से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके चलते सरकारी कामकाज बाधित हो रहे हैं और जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि सरकार कर्मचारियों से किए वादे को निभाए और इनकी मांगों को पूरा करे। अशोक अरोड़ा ने बयान जारी कर कहा कि है ये सरकार कर्मचारी, जवान और किसान समेत हर वर्ग की दुश्मन बनी हुई है। किसानों के साथ एक बार फिर धोखा करते यूरिया बैग के वजन को घटाकर 45 से 40 किलो कर दिया गया है। जबकि किसान को इसके लिए पहले जितनी कीमत ही चुकानी पड़ेगी। इससे पहले 50 किलो के बैग का वजन घटकर 45 किलो किया गया था।

डीएवी कॉलेज में मनाया लोहड़ी पर्व

पिहोवा। डीएवी कॉलेज में पंजाबी विभाग की ओर से लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के मौके पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम करवाए गए। पंजाबी विभाग की अध्यक्षा डॉ. गुरप्रीत कौर ने बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि हिस्सा लेकर कार्यवाहक प्रिंसिपल प्रो. गुरिंदर मक्कड़ ने भी प्रज्वलित किया। नॉन टीचिंग स्टाफ की ओर से अनिल कुमार ने शब्द गायन से सभी को मोह लिया। डॉ. गुरप्रीत कौर ने कहा कि लोहड़ी की प्राचीनता व दुल्ला भट्टी की लोक कथा इस पर्व को विशेष पहचान दिलाती है। छात्राओं ने सुंदर मुंदरिए तेरा कौण विचारा, दुल्ला भट्टी वाला लोक गीत पर नृत्य, संगीत, नाटक कला आदि के जरिए सभी का मनोरंजन किया। छात्राओं ने गिद्धा एवं हरियाणवी लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। डॉ. अश्वनी कुमार ने भी अपनी गजलों से समां बांध दिया।इस मौके पर डॉ. सुनीता, डॉ. प्रवीण, डॉ. निशा, प्रो. मनोज, डॉ. कमलप्रीत, डॉ. ज्योति,अनु, प्रो. दीप किरण, डॉ. निशा, सुनील, रामफल, हरि राम, अमन, शालू व संतोष आदि मौजूद रहे।

लोहड़ी पर्व पर छात्राओं ने जमकर मचाया धमाल, कार्यक्रमों में झूमे सहयोगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

लॉर्ड कृष्णा शिक्षण महाविद्यालय अधोया में आज लोहड़ी उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रबंधन समिति के चेयरमैन राजकुमार सांगवान व सचिव रमेश कुमार सांगवान रहे। मुख्यातिथियों का स्वागत कॉलेज प्राचार्या डॉ. रेनू सोहता व उपस्तिथ शिक्षण स्टाफ ने पुष्प देकर किया। कार्यक्रम का आरंभ महाविद्यालय के चेयरमैन राजकुमार सांगवान व अन्य अतिथिगणों द्वारा अग्नि प्रज्वलन करके किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंच का संचालन बीएड की छात्राओं रचना व साक्षी ने किया। कार्यक्रम में आये हुए छात्रों को चेयरमैन राजकुमार सांगवान ने लोहड़ी पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने यह संदेश दिया कि 'लोहड़ी की अग्नि' में आपके जीवन की हर बुराई जलकर भस्म हो जाए। इस अवसर पर सचिव रमेश सांगवान ने विद्यार्थियों से कहा कि 'लोहड़ी के दिन' अपने आसपास के लोगों को खुश रखें और अतीत की बुरी यादों को इस दिन खुद से अलग करें। मुख्यातिथि, कॉलेज शिक्षण स्टाफ, गैर शिक्षण स्टाफ व कॉलेज के विद्यार्थियों को लोहड़ी पर्व की बधाई दी।

सुख समृद्धि की कामना के साथ उड़ाए पतंग

- अलियासपुर में स्थित शिवालिक गुरुकुल में मनाई लोहड़ी और मकर सक्रांति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

बराड़ा। उत्सव में भाग लेते आयोजक एवं छात्र। फोटो : हरिभूमि

गांव अलियासपुर में स्थित शिवालिक गुरुकुल के परिसर में शनिवार को लोहड़ी एवं मकर संक्रांति का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की शांति एवं सुख समृद्धि की कामना के साथ पतंग कला विषय पर एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्रों द्वारा पतंग बनाकर अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया गया तथा पतंग के उड़ने व उड़ाने के वैज्ञानिक सिद्धांतों पर चर्चा की गई। संस्थान अध्यक्ष रविंद्र आर्य ने लोहड़ी एवं संक्रांति उत्सव के विषय में विभिन्न प्रचलित किवदंतियों व लोक कथाओं की व्याख्या कर इसके धार्मिक ,सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक महत्व पर प्रकाश डाला ।उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा समय-समय पर छात्रों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास पर केंद्रित कार्यक्रमों का आयोजन कर वैज्ञानिक एवं तकनीकी शिक्षा के साथ संस्कारित करने का काम किया जाता है।

इस मौके पर प्रधानाध्यापक विकास दीप ,आचार्य कृष्ण देव ,अशोक, मुख्य संरक्षक रामपाल रजनी देवी, रविंद्र भरत, पदम कुमार, राजेंद्र कुमार, सुमित त्यागी शिक्षक सहित गुरु पर परिवार के अन्य सदस्य में भारी संख्या में ब्रह्मचारी उपस्थित रहे।

लाडवा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा में लोहड़ी का पर्व मनाते वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कृष्णकांत व स्टाफ।

लोहड़ी सामाजिक-सांस्कृतिक पर्व : कृष्णकांत

लाडवा। लोहड़ी पर्व के उपलक्ष में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा में लोहड़ी पर्व मनाया गया। इसमें वरिष्ठ चिकित्सा अधकारी डॉक्टर कृष्णकांत ने सभी चिकित्सा अधिकारी, कंसल्टेंट्स, नर्सिंग ऑफिसर्स, फार्मेसी ऑफिसर, कम्युनिटी हेल्थ ऑफीसर, एमपीएचडब्ल्यू मेल व फीमेल तथा अन्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए। लोहड़ी का त्योहार मुख्य रूप से सिखों और हिंदुओं द्वारा मनाया जाने वाला शीतकालीन संक्रांति के अंत और रबि फसलों की कटाई का प्रतीक त्यौहार है। यह त्योहार हर साल 13 जनवरी को पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

- शुगर मिल को सरकार द्वारा अधग्रिहण करने की मांग की जिससे किसानों को गन्ने की पेमेंट सुचारू रूप से मिलती रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

नारायणगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी को ज्ञापन सौंपते।

किसान मजदूर संगठन (पूरन) के प्रदेश अध्यक्ष नरपत राणा व अन्य पदाधिकारियों ने हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद नायब सैनी से मुलाकात कर उनको प्रदेश अध्यक्ष बनने व लोहड़ी की बधाई दी । इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष को किसानों की समस्याओं से भी एक मांगपत्र सौंपा। इसमें उन्होंने शुगर मिल को सरकार द्वारा अधग्रिहण करने की मांग की जिससे किसानों को गन्ने की पेमेंट सुचारू रूप से मिलती रहे। उन्होंने गांव महमूदपुर से गांव गोली तक की सड़क बनाने की मांग की। ज्ञापन में गांव सौंतली से शहजादपुर तक की सड़क को पक्का करना तथा शहजादपुर हाईवे के पास पुल के पास सड़क में बड़े गड्ढों को ठीक करने के साथ बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने की भी मांग की गई।

युवाओं को नौकरी से वंचित करना चाहती है सरकार: विधायक

बराड़ा। कांग्रेस विधायक वरुण मुलाना ने एचपीएससी द्वारा सहायक पर्यावरण अभियंता भर्ती को लेकर जारी किए गए सिलेबस पर टिप्पणी करते कहा कि बीजेपी-जेजेपी सरकार हरियाणवी युवाओं को नौकरियों से पूरी तरह वंचित करना चाहती है। जानबूझकर सरकारी भर्तियों के लिए ऐसे नियम बनाए जा रहे हैं जिसका अन्य राज्य के युवाओं को लाभ हो सके। उन्होंने कहा कि एचपीएससी द्वारा सिलेबस से हरियाणा जीके को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। एचएसएससी और एचपीएससी की भर्तियों में लगातार गैर-हरियाणवियों को तरजीह देने के लिए यहीं नीति अपनाई जा रही है। एसडीओ, बीडीपीओ, लेक्चरर से लेकर सहायक पर्यावरण अभियंता तक हर भर्ती में हरियाणवियों के साथ इसी तरह की साजिश हो रही है। मुलाना ने कहा कि अब एचपीएससी ने एसीएस परीक्षा के लिए भी उन अभ्यार्थियों को अप्लाई करने की छूट दे दी है जिनके पास हरियाणा डोमिसाइल नहीं है।

वृद्धाश्रम के लोगों के साथ छात्राओं ने मनाई लोहड़ी

बराड़ा। संत मोहन सिंह खालसा लबाना गल्र्स कॉलेज में चल रही एनएसएस कैंप की शुरूआत गीत से हुई। कॉलेज प्राचार्या डॉ. इंदु विज ने स्वयंसेविकाओं को उनकी समाजिक,परिवारिक जिम्मेदारी व नैतिक शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। इसी के साथ उन्हें कुरुक्षेत्र प्रेरणा वृद्धा आश्रम का भ्रमण करवाया गया। यहां छात्राओं ने वृद्ध लोगों से मुलाकात की। इस दौरान छात्राओं ने वृद्धों के साथ लोहड़ी का पर्व मनाया। इसी के साथ कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के एनएसएस कोऑर्डिनेटर डॉ. आनंद कुमार से छात्राओं से मुलाक़ात की।

गांव अधोया में काटे पेड़ बीडीपीओ ने लिए कस्टडी में, कटाई का काम रोका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

गांव अधोया (मुस्लिम) की पंचायती जमीन से पेड़ काटने की कार्रवाई रुक गई। डीसी के हस्तक्षेप से यह कार्रवाई हुई। इसके साथ-साथ जो पेड़ जमीन से काटे गए थे। वह सभी पेड़ बीडीपीओ की कस्टडी में हैं। बकायदा वन विभाग द्वारा इन पेड़ों का मूल्यांकन किया जा रहा है। इस मामले में नियमानुसार इस मामले में कार्रवाई की जा रही है। जिसकी भी इस मामले में संलिप्तता पाई जाती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि इस मामले को लेकर गांव की पंचायत सरपंच के साथ उपायुक्त से मिली थी।

उपायुक्त डॉ. शालीन ने बताया कि इस मामले में एसडीएम ने एसआईटी बनाई हुई है। मामले में मालिकाना हक जांचने के लिए एसडीएम द्वारा बनाई गई एसआईटी ने अपनी गोपनीय रिपोर्ट एसडीएम को सौंप दी है। उपायुक्त ने यह भी कहा कि सुप्रीमकोर्ट के जय सिंह वर्सिस हरियाणा स्टेट पार्टी के केस अनुसार जजमेंट आ चुकी है कि जुमला हसब मुश्तरका मालिकाना के तहत ऐसी जमीन पंचायत की होती है। उस पर पंचायत का मालिकाना हक होता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 8295154800, 9253681005

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में सरकार ने पॉलिसी तैयार की

गोसेवा आयोग का बजट बढ़ाकर 400 करोड़: राज्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

राज्य मंत्री सरदार संदीप सिंह ने कहा कि सड़कों से बेसहारा गोवंश को हटाकर गौशालाओं में शिफ्ट करने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में सरकार ने पॉलिसी तैयार की है। जिसके तहत गौशाला संचालन समितियों के सहयोग से इस वर्ष इन पशुओं को गौशालाओं में शरण दी जाएगी। गोवंश के रखरखाव के लिए गौ सेवा आयोग को मिलने वाले 40 करोड़ रुपए के बजट में बढ़ोतरी करके इसे 400 करोड़ रुपए से अधिक का कर दिया गया है। इसके अलावा 31 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि सरकार ने गौशाला आयोग को दी है। श्रीकृष्ण कृपा गौशाला समिति की ओर से जगदीश तनेजा ने बताया कि बेसहारा पशुओं को सडकों से हटाकर शरण देने के लिए सरकार एवं सामाजिक संस्थाओं को मिलजुल काम करना होगा। कार्यक्रम में श्रीकृष्ण कृपा गौशाला को 11 लाख 63 हजार 250, औघड दानी महादेव गौशाला को 93750, हर हर महादेव रुग्ण गौशाला को 81 हजार, दत गौरख गऊ समिति थाना को 448500 व गौ सेवा समिति इस्माईलाबाद को 5 लाख 19 हजार रुपए की राशि के चैक राज्य मंत्री संदीप द्वारा दिए गए। लगभग 23 लाख पांच हजार रुपए से अधिक की राशि गौशालाओं तक पहुंचाई गई। इस अवसर पर जगदीश तनेजा, नरेश शर्मा, सोनू गोयल, प्रेमपाल पुरी, सुरेंद्र शर्मा, नगर पालिका प्रधान आशीष चक्रपाणी, मंडल प्रधान राकेश पुरोहित, सुरेंद्र ढींगरा, अनिल, पराग धवन, गुरप्रीत कंबोज, तेजिंद्र स्याहपोश व अजय कोरियोग्राफर सहित कई लोग मौजूद रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रविवार 14 जनवरी 2024

मकर संक्रांति विशेष

मकर संक्रांति पर्व की धार्मिक ही नहीं अत्यधिक सांस्कृतिक महत्ता भी है। यह पर्व ऋतुचक्र में होने वाले परिवर्तन और सूर्य की गति में बदलाव को भी प्रकट करता है। यह पर्व देश के अलग-अलग भागों में विभिन्न रूपों और नामों से मनाया जाता है। लेकिन इसे मनाने की मूल भावना में निहित सामाजिक समरसता, इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देता है।

धार्मिक आस्था-सांस्कृतिक उल्लास का पवित्र पर्व मकर संक्रांति

{ आवरण कथा / आर.सी.शर्मा }

पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक नाम भले अलग-अलग हों, लेकिन मकर संक्रांति का धार्मिक-सांस्कृतिक पर्व, पूरे भारत में मनाया जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। जैसे- उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्सों में इसे मकर संक्रांति कहते हैं, तो पंजाब में लोहड़ी, गुजरात में उत्तरायण, उत्तराखंड में उत्तरायणी, केरल में पोंगल, असम में माघ बीहू और भोगाली बीहू, बिहार-उत्तर प्रदेश में खिचड़ी, बंगाल में दान पूर्व और तमिलनाडु में पोंगल के नाम से इसे मनाते हैं। चाहे पर्व के नाम अलग-अलग हों और इनके मनाने के तौर तरीके भी थोड़े अलग-अलग हों। लेकिन अपनी मूल प्रकृति और मूल आस्था में ये सारे पर्व एक ही होते हैं। नई फसल तैयार होने की खुशी में नाचना-गाना, सूर्य के उत्तरायण होने से उसके बढ़ते जीवनदायी ताप के प्रति आभार-सम्मान प्रकट करना और पवित्र नदियों में स्नान करने जैसी तमाम तरह की गतिविधियां, इन सभी पर्वों के मूल विधान में शामिल हैं।

केरल में पोंगल पर्व मनाते स्थानीय निवासी

पर्व मनाने की शुभ तिथि

मकर संक्रांति आमतौर पर अंग्रेजी कैलेंडर के जनवरी माह में 14 या 15 जनवरी को मनाई जाती है। मकर संक्रांति की तिथि से सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, इसलिए यह मकर संक्रांति कहलाती है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं, जिसे शास्त्रों के मुताबिक देवताओं का दिन माना जाता है, जबकि दक्षिणायन को देवताओं की निशा यानी रात्रि माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन किया गया दान, साल के बाकी किसी भी दिन में किए गए दान के मुकाबले कहीं ज्यादा पुण्य लाभ देने वाला होता है। इस साल मकर संक्रांति की तिथि आज रात के बाद यानी 15 जनवरी को ब्रह्म मुहूर्त से पहले 2 बजकर 54 मिनट से आरंभ होगी, जब सूर्यदेव धनु राशि से निकल कर मकर राशि में प्रवेश करेंगे।

महत्वपूर्ण-पुण्यकारी धार्मिक कार्य

मकर संक्रांति के दिन सुबह उठकर सूर्य के निकलने से पहले या निकलते समय पवित्र नदियों में स्नान करना सबसे अच्छा माना जाता है। इसके बाद नए साफ वस्त्र पहनकर तांबे के लोटे में पानी भरकर उसमें काला तिल, गुड़ का छोटा टुकड़ा और अगर गंगा में नहीं नहा रहे तो थोड़ा गंगाजल मिलाकर सूर्यदेव को प्रणाम करते हुए उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद गरीबों को दान दिया जाता है, इस दान में तिल और खिचड़ी का होना बहुत शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक मकर संक्रांति की सुबह घर में स्नान करें तो पानी में तिल और गंगाजल अवश्य मिला लें। किसी पवित्र नदी में स्नान कर रहे हों तो जिस जगह स्नान करें, वहां थोड़े तिल और गंगाजल छिड़क देना चाहिए। इस दिन सूर्यदेव शनि की राशि मकर में प्रवेश करते हैं, इसलिए मकर संक्रांति को शनि देव की पूजा भी करनी चाहिए।

कहीं नृत्य तो कहीं पतंगबाजी

मकर संक्रांति देश के अलग-अलग हिस्सों में खूब मस्ती और उमंग के साथ मनाई जाती है। कहीं पर लोग ढोल की थाप पर

असम में माघ बीहू के अवसर पर सामूहिक नृत्य करतीं महिलाएं

नाचते-गाते हैं। जैसे पंजाब में भागड़ा और गिद्धा लोकनृत्य किया जाता है। इसी तरह असम में लोग बिहू लोकनृत्य में सामूहिक रूप से शामिल होते हैं। गुजरात और उत्तर भारत में इस अवसर पर बड़े पैमाने पर पतंग उत्सव का भी आयोजन किया जाता है।

पर्व का जीवन में महत्व

मकर संक्रांति पर्व का महत्व सिर्फ धार्मिक या पारंपरिक संस्कारों तक ही सीमित नहीं है। इसका सीधा-सीधा रिश्ता बदलते हुए ऋतु चक्रों से भी होता है। जिस कारण बहते हुए पानी में स्नान किए जाने की परंपरा इससे जोड़ी गई है। इसका वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य यह है कि इन तिथियों को बहते हुए पानी में ऊर्जा की अधिकता होती है और उस पानी में स्नान करने से इंसान बहुत तरह की शारीरिक व्याधियों से छुटकारा पा जाता है। साथ ही बदलते हुए मौसम के इस संधिकाल में सूर्य के ताप, पृथ्वी और जल की ऊर्जा का शरीर में इस तरह से प्रभाव पड़ता है कि हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। इसलिए संक्रांति को सिर्फ धर्म की नहीं प्रकृति की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। *

वर्ष में होती हैं तीन संक्रांतियां

हिंदू पंचांग के अनुसार पूरे वर्ष में एक नहीं तीन संक्रांतियां मनाई जाती हैं- मकर संक्रांति, विषुवत संक्रांति और कार्तिक संक्रांति। सभी में एक जैसी श्रद्धा और एक जैसी धार्मिक भावनाएं होती हैं। विषुवत संक्रांति अप्रैल माह में पड़ती है, इस तिथि पर सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते हैं। साथ ही इसी दिन विशाखा नक्षत्र में भी प्रवेश करते हैं, इसलिए इसे वैशाखी भी कहा जाता है। इसी तरह कार्तिक संक्रांति हिंदुओं में बहुत पवित्र मानी जाती है। कार्तिक संक्रांति में सूर्य तुला राशि में प्रवेश करते हैं। आमतौर पर यह अक्टूबर के मध्य में आती है। सभी संक्रांतियों में सूर्योदय से पहले उठकर या उग रहे सूर्य के समय स्नान का विधान होता है। साथ ही इस दिन पवित्र नदियों में भी स्नान करने का महत्व बताया गया है। *

जीवन में सुकून और खुशी तो सभी चाहते हैं लेकिन इन्हें पाने के लिए किस रास्ते पर चलने की जरूरत होती है, इस बारे में कम ही लोगों को पता होता है। वास्तव में सुकून-खुशी हासिल करना कठिन नहीं है, अगर आप सही दिशा में इसे तलाश करें।

सुकून-खुशी पाना कठिन नहीं है, अगर...

{ जीवनशैली / शिखर चंद जैन }

अगर आपको दिल्ली से कोलकाता जाना हो लेकिन आप ट्रेन या फ्लाइट चेन्नई की पकड़ लें तो कोलकाता पहुंचेंगे या चेन्नई? यह सवाल आपको अटपटा लग सकता है लेकिन व्यावहारिक जीवन में देखें तो खुशी और सुकून की तलाश में हम कुछ इसी तरह गलत राह पर चलते हुए अपनी मंजिल से भटक जाते हैं और हमें इसका एहसास ही नहीं होता है।

लिविंग स्टैंडर्ड का गलत पैमाना: बेहतरी, सफलता, समृद्धि और सुकून के वास्तविक स्वरूप को समझने में लोग अकसर चूक जाते हैं। इसमें पूरी तरह गलती आपकी नहीं है। वास्तव में हमारा माहौल, संगत और समाज कई मामलों में हमारा नजरिया तय करते हैं। यही वजह है कि आज स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग हाई होने यानी सफलता और खुशहाली का प्रतीक भौतिक साधनों के बहुलता को माना जा रहा है। आपके जीवन का स्तर कितना ऊंचा है, यह इस बात से तय होता है कि आप का मकान शहर के किस पॉश इलाके में है, कितना बड़ा मकान या फ्लैट है, आपकी कार कितनी महंगी है, आपके यहां कितने नौकर-चाकर काम करते हैं, आपका बैंक बैलेंस कितना बड़ा है, आपका मोबाइल किस ब्रांड का है, आप शहर के किस रेस्तरां में डिनर या लंच के लिए जाते हैं, किस ब्रांड के कपड़े, घड़ी या जूते पहनते हैं? आप छुट्टियां बिताने के लिए विदेश जाते हैं या नहीं? इतना ही नहीं रेव पार्टीज में या महंगे क्लब्स में जाना भी स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग का प्रतीक बन गया है।

अपना नुकसान खुद करते हम: आज के दौर का यह सच बन गया है कि हममें से अधिकांश लोगों के जीवन का ज्यादातर समय इन्हीं को पा लेने की कोशिश में खप जाता है, इन्हीं में सुकून और खुशहाली की तलाश करते हुए अनजाने में ही हम परेशान, बदहाल और तनावग्रस्त रहने लगते हैं। पिछली सदी में बुजुर्ग और अब तो वैज्ञानिक भी कहते हैं कि चिंता, चिता के समान होती है। हम अपनी ही नासमझी से गलत जीवनशैली के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, स्ट्रोक, हृदय रोगों और कैंसर जैसे घातक रोगों के शिकार बेहद आसानी से हो जाते हैं। नतीजतन ना मनचाहा खा सकते हैं ना ढंग से सो पाते हैं। कहा गया है कि पहला सुख निरोगी काया। लेकिन जब माया के चक्कर में काया ही रोगी हो गई तो सुख और सुकून भला कैसे मिलेंगे?

गलत मार्ग पर मंजिल की तलाश: हममें से अधिकतर लोग समझ ही नहीं पाते कि आखिर इतने प्रयासों के बावजूद हम सुखी क्यों नहीं हो पा रहे हैं? सीधी सी बात है, जाना था जापान पहुंच गए चीन वाली कहावत हमारे साथ लागू हो गई है। हमारे प्रयास ही गलत दिशा में और गलत चीजों के लिए होते हैं। हमारा लक्ष्य कुछ और होता है और राह हम दूसरी पकड़ लेते हैं। हम अपने जीवन का स्तर ऊंचा करने की बजाय, इसे छोड़कर दूसरी भौतिक, दिखावटी और गैर जरूरी चीजों का स्तर ऊंचा करने में जुट जाते हैं। स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग को ऊंचा करना एक अंतहीन प्रयास है, जिसका कोई उच्चतम मापदंड आज तक कोई निश्चित नहीं कर पाया है। आप चाहे जितना महंगा सामान खरीदेंगे, आपसे भी महंगा किसी और के पास मिल जाएगा। उसे देखते ही आपका अहं, चूर-चूर हो जाएगा और खुशी काफूर हो जाएगी।

आंतरिक सुकून की राह: आपको जीवन का स्तर ऊंचा रखना है, सुकून, सुख और खुशहाली से रहना है तो जरूरतों और चाहतों में अंतर समझना होगा। जीवन का स्तर आंतरिक सुख से ऊंचा होगा, जो संतोष से प्राप्त होता है। कहा भी गया है, संतोषम् परम सुखम्। अध्यात्म, प्राणायाम, योग, ध्यान आदि को अपनाना होगा। परमार्थ की भावना, दयालुता, परोपकार, समाज की सेवा और मनुष्य मात्र के प्रति संवेदनशीलता हमें जीवन के उच्चतम स्तर तक पहुंचा सकती है। झूठ, छल, कपट, धोखाधड़ी, झूठ, ईर्ष्या, लालच, क्रोध जैसे दुखी करने वाले जंजालों से मुक्ति पानी होगी। जैसे किसी तालाब के पानी से काई, तृण, गंदगी और विषाणु निकालकर उसे हल्का, सुपाच्य और स्वस्थ पेय जल बनाया जा सकता है, वैसे ही जीवन से इन अवांछित तत्वों और नकारात्मक भावनाओं को निकाल दें तो जीवन स्वच्छ जल की मानिंद हल्का और सुकून देने वाला बन सकता है। इस प्रकार का जीवन जीने वाला स्वतः ही अपने समाज में चहेता, प्रशंसनीय, स्नेह का पात्र और आदरणीय बन जाता है। लोग उसका सम्मान करते हैं। लोगों से जब ऐसा आदरपूर्ण और स्नेहिल व्यवहार मिलेगा तो आपको अतुलनीय आंतरिक आनंद और सुकून मिल जाएगा। *

{ नवगीत / शिवचरण चौहान }

धूप आई, जान आई

धूप आई
जान आई!
शीत से मारे हुए
फूलों के मुख
मुस्कान आई।
आएगा ऋतुराज पक्का
जानते हैं हम सभी
पर शिशिर, हेमंत तो
सबको रुलाएगा अभी,
सभी के चेहरों में मीठी
धूप है मुस्कान लाई।।
धुंध, कोहरे से महीना
गले तक डूबा हुआ था।
और भारत इस अयाचित
बर्फ से ऊबा हुआ था।
आज चिड़ियों के
स्वरों में एक मधुरिम
तान आई।
धूप निकली है छिटक कर
जान में है जान आई।।

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविता में उम्मीद

हाल में युवा कवि अनुराग वत्स का पहला कविता संग्रह 'उम्मीद प्रेम का अन्न है' छपकर आया है। इसमें उनकी कई छोटी कविताओं के साथ ही आत्मकथ्य भी संकलित हैं। इस पुस्तक की कई कविताएं, प्रेमानुभूति से जुड़ी बहुत बारीक संवेदनाओं को व्यक्त करती हैं। *'बात न हो, बात की याद हो/तो वह याद ही भेज दो।'* जैसी पंक्तियां मन के भीतर ठहर सी जाती हैं। प्रेम की अनुभूति से इतर भी कुछ कविताएं, अनुराग की सूक्ष्म संवेदनात्मक दृष्टि को प्रमाणित करती हैं। इस लिहाज से 'पिता:1' कविता को देख सकते हैं, जिसमें पिता शब्द को लिखे बिना ही अनुराग, मार्मिकता से उनकी अनुपस्थिति को महसूस करते हैं। इसी तरह 'हाथ की कांप' में वह दार्शनिक लहजे में जीवन और नियति को परिभाषित करते हैं। कहा जा सकता है कि किसी वाद या वैचारिकता से मुक्त ये भावसंपन्न कविताएं, आने वाले समय में अनुराग से और बेहतर रचनाओं की उम्मीद जगाती हैं। *

पुस्तक: उम्मीद प्रेम का अन्न है (कविता संग्रह), लेखक:अनुराग वत्स, मूल्य: 150 रुपए, प्रकाशक: रुख पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

{ कहानी / शीला श्रीवास्तव }

सविता जी को इस बात की चिंता मन ही मन में सताए हुए थी कि बेटे रवि की शादी के बाद उनका प्यार बंट जाएगा। वह पत्नी का साथ पाकर उनसे दूर हो जाएगा। इसलिए वह उसकी शादी टाल रही थीं। मां के आगाध प्रेम पर केंद्रित दिल को छूती कहानी।

अलगाव

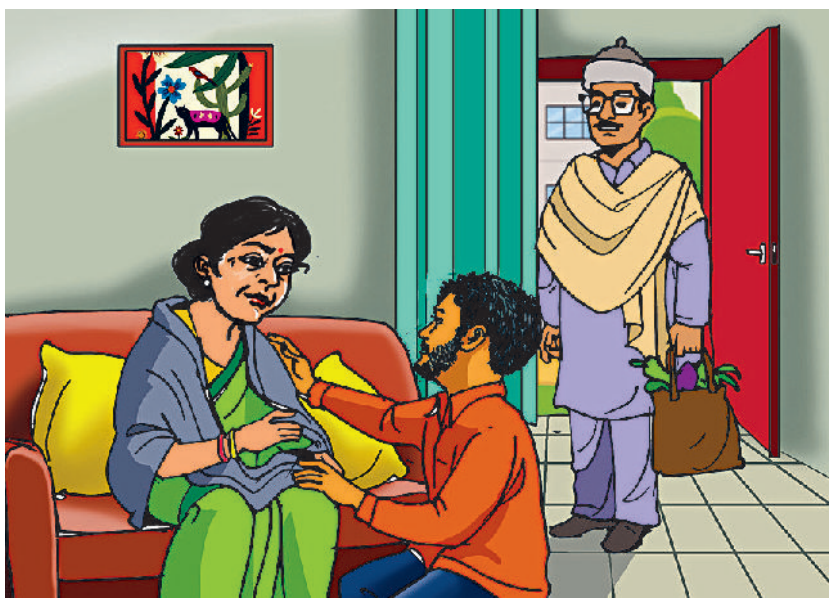

मंदिर से आकर सविता जी धम्म से सोफे पर बैठ गईं। पति जयप्रकाश जी ने धीमे स्वर में पूछा, 'क्या बात है भाग्यवान, मूड क्यों खराब है?'

'पता नहीं, लोगों को क्या पड़ी है, जो बार-बार हमारे बेटे रवि की शादी के बारे में पूछते हैं। अरे, नहीं करनी मुझे रवि की शादी। शादी के बाद वह भी हमसे अलग हो जाएगा।' सविता जी कुढ़ते हुए बोलीं।

'तुम स्वार्थी हो गई हो रवि की मां। अपने स्वार्थ के लिए तुम अपने बेटे को सदा के लिए कुंवारा रखना चाहती हो।' जयप्रकाश जी गंभीर स्वर में बोले।

'आपको जो समझना है, समझिए।' दोनों पति-पत्नी में बहस चल ही रही थी, तभी रवि आ गया। उसके आते ही दोनों ऐसे हंस-हंसकर बातें करने लगे, जैसे उनके बीच कोई हास-परिहास चल रहा हो।

दरअसल, रवि अपनी मां के मन से अनभिज्ञ अपनी एक कुलीग सुजाता से प्यार कर बैठा। एक दिन सकुचाते-सकुचाते उसने अपने दिल की बात अपनी मां से कह ही दी। सविता जी को जैसे झटका-सा लगा। वह जड़वत रह गईं। तभी रवि ने मां को झकझोरते हुए पूछा था, 'क्या सोच रही हो मां?'

'कुछ नहीं बेटा, शादी की अभी इतनी जल्दी क्या है? अभी छब्बीस की ही तो उम्र है तुम्हारी।' सविता जी अपनी भावनाओं को छुपाते हुए बोली थीं।

बस उसी दिन से रवि उदास रहने लगा। सविता जी अपने बेटे के उदासी के कारण को अच्छी तरह जानती थीं, लेकिन वह अपनी शंकाओं से मुक्त भी तो नहीं हो पा रही थीं।

एक दिन वह अपने बेटे रवि के सिर पर हाथ फेरते हुए बोलीं, 'काश! तू हमेशा बच्चा ही रहता तो कितना अच्छा होता, लेकिन अब तू बड़ा हो गया है। तुझे मां की नहीं बल्कि एक जीवन संगिनी की जरूरत है...।' लेकिन सविता जी ने वाक्य अधूरा ही छोड़ दिया। उनकी आवाज बीच में ही भर आई थी, आंखों से मोटे-मोटे आंसू टपक पड़े।

रवि अपनी मां के आंसुओं का मतलब नहीं समझ पाया, इसलिए आश्चर्य और प्रश्न भरी नजरों से मां को निहारने लगा। तभी जयप्रकाश जी ने बात संभाली, 'अरे बेटा, तुम्हारी मां डरती है कि शादी के बाद कहीं तुम्हारा प्यार बंट ना जाए।'

'ओफ्फ हो मां.. तुम भी न, कुछ भी सोचती रहती हो।' रवि हंसते हुए बोला।

रवि के ऑफिस जाने के बाद जयप्रकाश जी ने सविता जी को समझाया, 'देखो रवि की मां, हम मां-बाप को अपना फर्ज निभाना चाहिए। अब आगे चलकर बेटा-बहू हमें पूछें या ना पूछें, यह उनकी मर्जी। अपने स्वार्थ में अंधे होकर हम अपने बच्चों की खुशियों को दांव पर तो नहीं लगा सकते ना।'

जयप्रकाश जी एक पल रुक कर आगे बोले, 'अच्छा बताओ, तुम्हें ज्यादा खुशी किस बात में होगी, जब रवि कुंवारा रहकर दुखी मन से हम लोगों की सेवा करेगा या फिर अपने जीवन साथी के साथ खुशहाल जिंदगी जिएगा?'

'हां, मैं स्वार्थी हो गई थी। मेरे लिए तो मेरे बेटे की खुशी से बढ़कर कुछ और नहीं होना चाहिए। यह सही नहीं है।' सविता जी को अपने पति की बात अच्छे से समझ में आ गई थी।

दूसरे ही दिन सविता जी अपना घुटना लेकर बैठ गईं।

'क्या हुआ मां, घुटने में दर्द हो रहा है क्या?' रवि ने पूछा।

'हां रे, बहुत दर्द हो रहा है। अब मुझसे ज्यादा काम नहीं होता। ऐसा कर तू शादी कर ले।' सविता जी झूठ-मूठ दर्द से कराहती हुई बोलीं।

'क्या मां, कभी तुम कुछ बोलती हो तो कभी कुछ।' रवि सहज स्वर में बोला। जयप्रकाश जी अपनी पत्नी के बहाने को अच्छी तरह समझ रहे थे, इसलिए तपाक से बीच में बोल पड़े, 'अब तुम्हारी मां सठिया गई हैं बेटा। बहू आ जाएगी तो इनको सहारा मिल जाएगा।'

'ऐसी बात है तो मैं कल ही लड़की वालों को घर पर बुलाता हूं।' रवि खुशी से चहकते हुए बोला तो सविता जी की आंखें भर आईं। इस बार उनकी आंखों में स्नेह के आंसू थे।

जयप्रकाश जी ने राहत की सांस ली। *

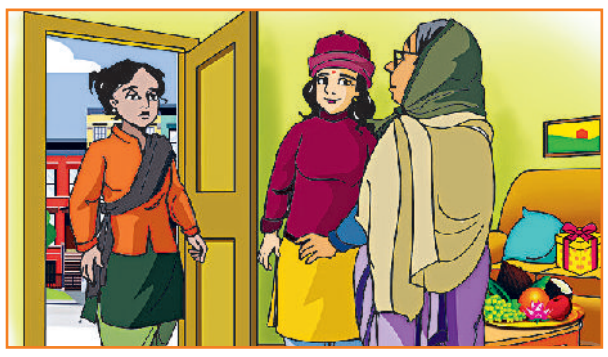

{ लघुकथा / डॉ. मोनिका शर्मा }

त्योहारी शगुन

श्वेता संक्रांति के पर्व पर दिए जाने वाले शगुन को सगे-संबंधियों और आस-पड़ोस की महिलाओं के बजाय मेड सर्वेंट्स को देती रही है। आज त्योहार के दिन सुबह-सुबह शगुन सामग्री बांटने की तैयारी में जुटी श्वेता को सासू मां ने टोका। सुहाग से जुड़ी चीजें अपनी बराबरी वालों को देने की सलाह देतीं, सासू मां के आपत्ति जताने पर उसने सहज भाव से कहा, 'इसमें बराबरी कैसी मां? यूं इस पर्व पर स्नेह स्वरूप भेंट देने की रीत पुण्य कमाने से ज्यादा परवाह के भाव से जुड़ी है। परवाह की सोच प्रेम की डोर से बंधी है। प्रेम का आधार किसी के जीवन को सहज बनाना है। सहजता किसी की आवश्यकताओं और परिस्थितियों को समझकर मदद करने की श्रद्धा से जुड़ी है।' 'अच्छा ठीक है...ठीक है।' कहते हुए सासू मां ने मुस्कुराते हुए हामी भरी। फिर थोड़ी गंभीर होकर बोलीं, 'हां, बात तो सही है। आपस में लेना-देना करने से तो इस रीत के मायने ही बदल गए। यह रिवाज बना तो सौगात स्वरूप एक-दूजे का जीवन सहज बनाने वाले सामान देने को लेकर ही है ना। समय के साथ रीत भी बदलनी ही चाहिए बहू।'

श्वेता की खुशी सासू मां का समर्थन पाकर और बढ़ गई। उसने प्यार भरे अंदाज में सूचित करते हुए कहा, 'मेरा ही नहीं, अबके बरस आपका शगुन भी ठंड के मौसम में हमारा जीवन सहज-सुविधाजनक बनाने वाली मेड सर्वेंट्स को देंगे मां।'

त्योहार के दिन घर के स्नेहमयी परिवेश में इस बात पर लगा दोनों का ठहाका डोर बेल बजते ही रुका। कड़कड़ाती ठंड में श्वेता ने ठिठके हाथों से दरवाजा खोला तो पिछले साल त्योहारी सौगात में दी स्वेटर पहने उनकी घरेलू सहायिका खड़ी थी। उसके भीतर आते ही सास-बहू ने मानवीय अनुभूतियों भरी मुस्कुराहट संग एक-दूजे की ओर देखा और शगुन की सामग्री पर जा टिकी उनकी आंखें संवेदनाओं की नमी से भीग गईं। आसमान तक छाई रंग-बिरंगी त्योहारी रौनक में आज दो पीढ़ियां परवाह के भाव से उपजे सार्थक परिवर्तन की साक्षी बनीं, विचार के बदलाव से आए व्यावहारिक परिणाम को देख रही थीं। *

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

जीवन में सफल होने के लिए 'साइंस ऑफ सक्सेस' के बारे में पता होना जरूरी है। वास्तव में यह अपने सपने या लक्ष्य को पाने की दिशा में स्टेप बाई स्टेप की जाने वाली एक प्रक्रिया होती है। साइंस ऑफ सक्सेस क्या है और इसे जीवन में लागू करने के लिए क्या, कैसे कर सकते हैं, जानिए।

क्या आप जानते हैं साइंस ऑफ सक्सेस

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / कीर्तिशेखर }

मशहूर अमेरिकी लेखक नेपोलियन हिल की सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब 'थिंक एंड ग्रो रिच' में साइंस ऑफ सक्सेस का जो फॉर्मूला बताया गया है। इसके मुताबिक अगर आप सफल होना चाहते हैं तो अपने लक्ष्य पर ध्यान लगाएं। लगातार ध्यान में बने रहना ही 'साइंस ऑफ सक्सेस' है। इसे सीखने के लिए कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा।

बनाएं प्रॉपर वर्क प्लानिंग

यह सच है कि खुद को अपने लक्ष्य के प्रति फोकस्ड बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होती है। यह चुनौती तभी सधती है, जब आप इसके लिए एक स्पेशल प्लानिंग बनाएं और उसे अपनाएं। इसके लिए अपने साथ एक ऐसी पॉकेट डायरी रखनी चाहिए, जिसमें आपके लक्ष्य लिखे हों और उन्हें दिन में कई बार निकालकर देखते रहें। अपने ज्यादातर काम आप तब करें, जब ऊर्जा से लबालब हों। और हां, किसी भी काम को करने से पहले ही उस काम का एक शेड्यूल बना लें और उन्हें पार्ट्स में डिवाइड कर लें। साथ ही शोर-शराबे से दूर रहने का इंतजाम करें। जो चीजें या कंडीशंस, बार-बार आपको लक्ष्य से भटकाएं, उनको अपने से दूर रखें, विशेषकर मोबाइल फोन।

मन को हमेशा फोकस्ड रखें

वैसे अपने काम में ध्यान केंद्रित करने के एक नहीं कई तरीके हो सकते हैं। ये तरीके तभी कारगर होते हैं, जब आप अपने मन को केंद्रित करने की कोई कारगर तरीका अपनाएं। दूसरे शब्दों में, अपने काम पर फोकस करने के लिए मन की एकाग्रता जरूरी है। हर दिन के लिए निर्धारित काम अगर आप उसी दिन कर लेते हैं, तो ना सिर्फ काम में लगातार मन लगा रहता है बल्कि यह आपको उत्साहित भी करता है। दिन में काम शुरू करने के पहले मन ही मन एक तात्कालिक लक्ष्य भी निर्धारित करें और उस लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने की कोशिश करें। आपका मन बेहतर तरीके से किसी काम में तभी लगता है, जब आप अपने विचारों और भावनाओं को भी अपने लक्ष्य के साथ जोड़ लेते हैं। इससे मन और मस्तिष्क में दो अलग-अलग धाराएं नहीं रहती हैं।

शुभचिंतकों से लें प्रेरणा

दुनिया में जितने भी सफल लोग हुए हैं, उन सबके पास अपना फंडामेंटल साइंस ऑफ सक्सेस होता है। इसका दूसरे शब्दों में मतलब यह होता है कि साइंस ऑफ सक्सेस कोई निश्चित और तकनीकी रूप से एक ही डेफिनिशन नहीं होती, बल्कि आप जिस भी तरह से खुद को बेहतर परफॉर्म करने के लिए रेडी कर सकें, वही साइंस ऑफ सक्सेस का सबसे ठोस तरीका और फॉर्मूला होता है। कुछ लोग अपने लक्ष्य को हासिल करने में तब तक सफल नहीं होते, जब तक उन्हें किसी अन्य से इस मामले में जबरदस्त प्रेरणा ना मिले। अगर आप भी ऐसे लोगों में शामिल हैं तो अपने ऐसे शुभचिंतकों से मिलते रहें, जो आपको लगातार सफल होने के लिए प्रेरित करते रहें।

अपने मूल्य बरकरार रखें

सफल होने का एक प्रमुख सूत्र यह भी है कि आप जहां पर सक्रिय हों, वहां महत्वपूर्ण माने जाएं। यानी आपकी भूमिका

अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण होनी चाहिए। अगर आप अपनी मौजूदगी में महत्वपूर्ण नहीं होते तो आपके लिए किसी भी लक्ष्य को पाना आसान नहीं होता है।

रिस्क लेने से ना डरें

कुछ लोग जीवन में इसलिए भी सफल नहीं हो पाते, क्योंकि असफलता के डर से वे कभी कोई प्रयोग नहीं करते, कोई रिस्क नहीं लेते। जब आप ऐसा करते हैं तो सफल होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। कहने का मतलब है, मनचाही सफलता पाने के लिए आपको जोखिम लेना भी सीखना होगा और गलतियां करने का साहस भी करना होगा।

महत्वाकांक्षी लोगों के साथ रहें

अगर आप ऐसे लोगों के साथ रहते हैं, जो आपकी तरह ही महत्वाकांक्षी हों, आपकी तरह ही सफल होने के सपने देखते हों और आपकी तरह ही उनके अपने लक्ष्य हों तो इसका भी फायदा आपको मिलता है। ऐसे लोगों के आस-पास होने से आप लगातार प्रेरित होते रहते हैं और जिस भी क्षेत्र में होते हैं, वहां सफलता पाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

इस तरह यहां बताई गई बातों को अगर आप अमल में लाते हैं तो आपको सफल होने से कोई रोक नहीं सकता है।*

समुद्र तट पर नमकीन सौंदर्य की छटा रण ऑफ कच्छ

गुजरात राज्य के तटीय जिले कच्छ में स्थित रण ऑफ कच्छ, अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है। हर वर्ष नवंबर से फरवरी के मध्य यहां आयोजित होने वाले रण उत्सव में देश-विदेश के पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं। रण ऑफ कच्छ और रण उत्सव की खासियतों पर एक नजर।

{ टूरिस्ट स्पॉट / देवेंद्रराज सुथार }

अपने देश के गुजरात राज्य में स्थित कच्छ का रण ना केवल अपने प्राकृतिक वैभव के लिए जाना जाता है, बल्कि स्थानीय कलाकारों द्वारा आयोजित रण उत्सव के लिए भी काफी लोकप्रिय है।

कच्छ के रण की प्राकृतिक स्थितिः कच्छ का रण दिखने में बहुत आकर्षक लगता है। इसके निर्माण की प्रक्रिया प्रकृति स्वयं नियंत्रित करती है। हर वर्ष गर्मियों के बाद मानसून के आगमन के साथ ही कच्छ की खाड़ी का पानी इस रेगिस्तान में आ जाता है, जिससे सफेद रण जुलाई से नवंबर के बीच एक विशाल समुद्र जैसा दिखाई देने लगता है। लगभग 26 हजार वर्ग किमी. क्षेत्रफल में फैला कच्छ का रण सिकंदर के समय में एक नौगम्य झील हुआ करती थी। अब यह दो भागों में बंट गया है। उत्तरी रण यानी ग्रेट रण ऑफ कच्छ और पूर्वी रण यानी लिटिल रण ऑफ कच्छ। यहां का तापमान गर्मियों में 44 से 50 डिग्री तक बढ़ जाता है, जबकि सर्दियों में शून्य से नीचे चला जाता है।

कच्छ के रण का इतिहासः ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार कच्छ पर पहले सिंध के राजपूतों का शासन हुआ करता था, लेकिन बाद में जडेजा राजपूत राजा खेंगरजी के समय भुज को कच्छ की राजधानी बना दिया गया। सन् 1741 में राजा लखपतजी कच्छ के राजा बने। 1815 में अंग्रेजों ने डूंगर पहाड़ी पर कब्जा कर लिया और कच्छ को ब्रिटिश जिला घोषित कर दिया गया। ब्रिटिश शासन काल में ही कच्छ में रंजीत विलास महल, मांडवी का विजय विलास आदि महल भी बनवाए गए।

भारत को मिला कच्छ का रणः आज कच्छ के रण का अधिकांश भाग भारत के गुजरात में है, जबकि कुछ भाग पाकिस्तान में है। अप्रैल 1965 में रण के पश्चिमी छोर पर भारत-पाक सीमा को लेकर लड़ाई छिड़ गई थी। बाद में ब्रिटेन के हस्तक्षेप से यह युद्ध खत्म हुआ। संयुक्त राष्ट्र के तत्कालीन महासचिव द्वारा सुरक्षा परिषद को भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर इस विवादित मामले को ट्रिब्यूनल को भेजा गया। ट्रिब्यूनल ने 1968 में फैसला सुनाया कि रण का 10 प्रतिशत हिस्सा पाकिस्तान के पास और 90 प्रतिशत हिस्सा भारत के पास रहेगा। इस तरह एक साल बाद 1969 में कच्छ के रण का विभाजन हो गया।

आकर्षक होता है रण उत्सवः हर साल 8 से 10 लाख पर्यटक नवंबर से फरवरी तक आयोजित होने वाले कच्छ रण उत्सव को देखने, चांदनी रात के खुले आसमान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने, के लिए यहां आते हैं। यहां पर्यटकों को कई तरह की कलाओं और उनमें दक्ष लोगों से रूबरू होने का मौका मिलता है। रण उत्सव के दौरान कई कलाकार अपनी कला के जरिए रेत पर भारत के इतिहास की झलक दिखाते हैं। पिछले कई वर्षों में रण उत्सव के दौरान कलाकारों ने रामायण से लेकर स्वामी विवेकानंद की कच्छ यात्रा तक के पात्रों को अपनी कला में प्रदर्शित किया है। यहां आकर स्थानीय लोगों की जीवनशैली और हस्तशिल्प कला से भी रूबरू हो सकते हैं। रण उत्सव के दौरान भुज से पांच किमी. दूर रण मैदान के मध्य धोरडो गांव के पास एक पर्यटक शिविर लगाया जाता है, जहां देशी-विदेशी पर्यटकों को सभी सुविधाओं के साथ ठहराया जाता है। यहां आप डेजर्ट पेट्रोलिंग व्हीकल पर रेगिस्तान में सवारी का आनंद भी ले सकते हैं। इतना ही नहीं, इस रेगिस्तान में आपको लोमड़ी और राजहंस की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिलेंगी। भुज के पास भुजोड़ी नाम का एक गांव है, जहां वानकर समुदाय के लगभग 1,200 कारीगर रहते हैं। ये लोग यहां कपड़ा और हस्तशिल्प इकाइयों में काम करते हैं। यहां बुनकरों, ब्लॉक प्रिंटर और टाई-डाई कलाकारों से मिलने और उनके शिल्प के बारे में जानने का मौका मिलता है।

ऐसे पहुंचें कच्छ के रणः भुज, कच्छ के रण के बहुत करीब है। सभी प्रमुख शहरों के हवाई अड्डों और रेलवे स्टेशनों से यहां आया जा सकता है। भुज से रण की दूरी सिर्फ 80 किमी है। आप चाहें तो भुज से गुजरात टूरिज्म बस की सुविधा भी ले सकते हैं, जो आपको सीधे कच्छ के रण तक ले जाएगी। अगर आप फ्लाइट से आना चाहते हैं, तो बेंगलुरु, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, तिरुवनंतपुरम और गोवा से सीधी फ्लाइट भुज एयरपोर्ट के लिए चलती हैं। अगर आप ट्रेन से कच्छ जाना चाहते हैं, तो भुज एक्सप्रेस और हजरत एक्सप्रेस दिल्ली से चलती हैं। अगर आप सड़क मार्ग से आना चाहते हैं, तो दिल्ली, मुंबई, पुणे और जोधपुर से कच्छ के रण तक पहुंच सकते हैं।*

कई तरह से फायदेमंद बादाम का पेड़

{ जानकारी / वीना गौतम }

बादाम एक मेवा है, मेवा यानी सूखा फल। बादाम को अंग्रेजी में ऑल्मंड, संस्कृत में वाताद या वातवैरी, हिंदी, मराठी, गुजराती और बांग्ला में बादाम और फारसी में बदाम शोरी कहते हैं। बादाम का पेड़ 4 से 12 मीटर तक ऊंचा होता है। बादाम के पेड़ में गुलाबी, सफेद फूल लगते हैं, फिर इन्हीं में फल बनता है।

अमेरिका में सर्वाधिक उत्पादनः जहां तक बादाम उत्पादन की बात है, तो अमेरिका इसमें पहले स्थान पर है। दुनिया में बादाम की कुल आपूर्ति का 80 प्रतिशत अमेरिका के कैलीफोर्निया से होती है।

भारत में बादाम की खेतीः भारत में बादाम उत्पादन सबसे ज्यादा जम्मू-कश्मीर में होता है। भारत में पैदा होने वाले कुल बादाम का 85 फीसदी हिस्सा जम्मू-कश्मीर से ही आता है। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, गांदरबल और बारामूला जिले बादाम के प्रमुख उत्पादक हैं। भारत में शेष पैदा होने वाले बादाम में से करीब 8 फीसदी हिमाचल प्रदेश, लद्दाख में होता है।

बढ़ रही बादाम की मांगः आयुर्वेद में बादाम को बुद्धि और नसों के लिए गुणकारी बताया गया है। जैसे-जैसे दुनिया भर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजगता आ रही है, बादाम की मांग बढ़ती जा रही है।

कमाई का बेहतरीन विकल्पः अमूमन बादाम 600 रुपए प्रति किलो से कम का नहीं मिलता और अच्छी क्वालिटी वाले बादाम की कीमत 1,000 रुपए प्रति किलो होती है। इसीलिए किसानों के लिए बादाम की खेती ज्यादा फायदेमंद होती है, इसलिए देश के कई हिस्सों में बादाम के पेड़ लगाने के प्रति किसान अधिक आकर्षित हो रहे हैं। एक बार बादाम का पेड़ तैयार हो जाए तो यह 50 साल तक फल देता है।*

विशेषः मकर संक्रांति

{ सिने-जगत / अशोक जोशी }

मकर संक्रांति के अवसर पर खूब उत्साह-उमंग से पतंग उड़ाई जाती है। हिंदी फिल्मों में इस पर्व को तो नहीं, लेकिन पतंग के टाइटल वाली फिल्में और उस पर आधारित गीत खूब बनते रहे हैं। पतंग टाइटल वाली कुछ चर्चित फिल्मों और गीतों पर एक नजर।

सिनेमा-पर्दे पर भी खूब उड़ी हैं पतंगें

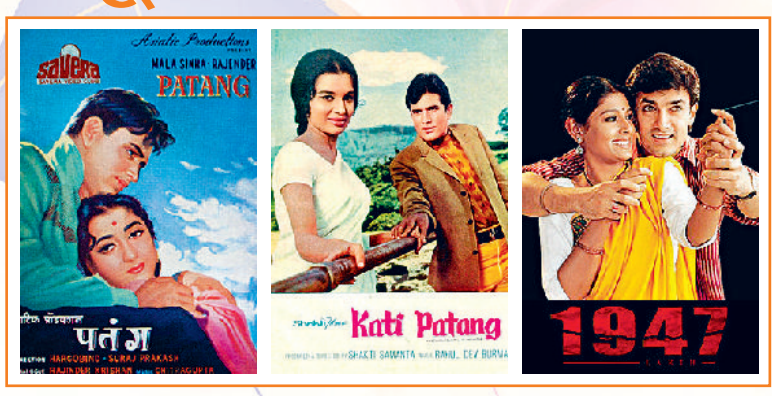

मकर संक्रांति का त्योहार पूरे देश में मनाया जाता है। विशेष रूप से उत्तर भारत में बड़े ही धूमधाम से इसे लोग मनाते हैं। इस दिन दान-स्नान के साथ ही पतंग उड़ाने की परंपरा भी है। इसी वजह से मकर संक्रांति को पतंग पर्व के रूप में भी जाना जाता है। पतंगबाजी ने ना केवल समाज में लोकप्रियता बटोरी बल्कि सिनेमा के पर्दे पर भी पतंगें खूब उड़ी हैं। फिल्मों के पतंग के टाइटल से लेकर इस पर आधारित गाने लोगों के दिलों में बसे हैं। आज भी मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग से जुड़े गीतों को बजाया-गुनगुनाया जाता है।

पतंग टाइटल वाली फिल्में

1960 में 'पतंग' नाम से एक फिल्म आई थी। इस फिल्म में राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा, राज मेहरा, मनोरमा और अचला सचदेव ने काम किया था। फिल्म का नाम 'पतंग' क्यों रखा यह तो निर्माता ही जाने, लेकिन इस फिल्म में पतंग पर आधारित एक गीत 'यह दुनिया पतंग नित बदले हैं रंग' था। जिसे एक बार सुखद और दूसरी बार दुखद भाव में फिल्माया गया था। इसके बाद फिल्मों में पतंग पर आधारित गीत और प्रसंग तो आते रहे लेकिन शीर्षक से पतंग नदारद हो गई। 11 साल बाद फिल्म 'कटी पतंग' ने इस सूनेपन को समाप्त किया। फिल्म की नायिका की स्थिति को चित्रित करने वाले शीर्षक की यह फिल्म, राजेश खन्ना और आशा पारेख के अभिनय और आरडी बर्मन के मधुर संगीत की वजह से खूब चली। इस फिल्म में एक गीत 'ना कोई उमंग है...' के दौरान उड़ती पतंग इस फिल्म में पर्दे पर दिखाई भी दी।

रील-रियल लाइफ में पतंगबाज एक्टर

ऐसा कहा जाता है कि बॉलीवुड में दिलीप कुमार ऐसे अभिनेता थे, जिनको पतंग उड़ाने में महारत हासिल थी। जब वह अपने घर की छत पर पतंग

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान खान

उड़ाते थे तो बॉलीवुड के कई नामी निर्माता उनके पतंग के साथ डोर की चरखियां थामने को बेकरार रहते थे। इसी तरह सलमान खान ने भी ना केवल वास्तविक जीवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी(जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे) के साथ पतंग उड़ाई है, बल्कि फिल्म 'सुल्तान' में पतंग लूटने के दृश्य में भी वे नजर आए हैं। उन्होंने फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में ऐश्वर्या राय के साथ प्यार की पतंग खूब उड़ाई थी।

पतंग पर आधारित गीत

जहां तक गानों की बात है तो हिंदी फिल्मों में पतंगों पर भी कई गाने बने और हिट हुए हैं। पतंग पर आधारित गीतों का सिलसिला 1949 में प्रदर्शित फिल्म 'दिल्लगी' से शुरू हुआ। फिल्म का गीत 'मेरी प्यारी पतंग चली बादलों के संग' तब बहुत लोकप्रिय हुआ था। इसके बोल ऐसे दिल में उतरने वाले थे कि उस दौर में पतंग उड़ाते समय लगभग हर युवा यही गीत गुनगुनाते दिखाई पड़ता था। ऐसा ही एक गीत 'चली चली रे पतंग मेरी चली रे' सन् 1957 की फिल्म 'भाभी' में जगदीप और नंदा पर फिल्माया गया था। फिल्म में पतंग उत्सव को प्रदर्शित करता यह गीत आज भी मकर संक्रांति पर टीवी चैनल और रेडियो पर सुनाई दे जाता है।

नए दौर में फिल्म 'रईस' का सुखविंदर और भूमि त्रिवेदी का गाया गीत 'उड़ी-उड़ी जाए' पतंग महोत्सव का मजा देते हुए झूमने पर मजबूर कर देता है। फिल्म 'काई पो छे!' का 'मांझा' गीत में जिंदगी के एक नए नजरिए को दिखाने की कोशिश की गई। इसके जरिए जिंदगी, रिश्ते और जज्बे की दास्तां बयां की गई।

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' का 'ढील दे दे रे भइया' गीत पतंग उड़ाने के दौरान अकसर लोगों के मुंह से निकल ही जाता है। यह गाना काफी लोकप्रिय भी हुआ था। फिल्म 'अर्थ' के गीत 'रुत आ गई रे' में आमिर खान फिल्म की नायिका को पतंग उड़ाना सिखाते दिखते हैं। यह एक रोमांटिक गीत है, जिसे एआर रहमान ने अपनी आवाज दी है। फिल्म 'फुकरे' के गीत

फिल्म 'फुकरे' के गीत 'अंबरसरिया..' का एक सीन

'अंबरसरिया' में भले ही पतंग शब्द का जिक्र ना हुआ हो लेकिन इसमें पतंगबाजी के दौरान होने वाली अठखेलियों को बड़े ही मजेदार ढंग से दर्शाया गया है। पतंग पर अपनी प्रेमिका को प्यार भरा मैसेज लिखकर भेजना दर्शकों को उस दौर में ले जाता है, जब छतों पर पतंगों के जरिए प्यार हुआ करता था।

जिन फिल्मों में पतंग शीर्षक या पतंग पर आधारित गीत नहीं होते हैं उन फिल्मों में पतंगबाजी के दृश्यों ने दर्शकों को लुभाया है। उनमें से एक फिल्म 'दिल्ली 6' है, जिसमें पतंग के जानदार दृश्य देखने को मिले।*

{ सोशल इश्यू / दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश' }

यह बेहद चिंताजनक बात है कि बाजार की चमक-दमक के जाल में हमारे नौनिहाल फंसते जा रहे हैं। ऐसे में पैरेंट्स ही नहीं सारे समाज को सजग रहने की जरूरत है।

बहुत चिंताजनक है बचपन का बाजारीकरण

अगर यह कहा जाए कि वैश्वीकरण के मौजूदा दौर में सारा देश-समाज बाजार में तब्दील होने लगा है तो गलत नहीं होगा। चिंताजनक बात यह है कि इस बदलाव ने बचपन का भी बाजारीकरण करना शुरू कर दिया है। इसी का परिणाम है कि बच्चों के लिए उपयोगी वस्तुओं के साथ फ्रिज, वाशिंग मशीन, बाइक, कार, फर्नीचर जैसी महंगी खरीददारी में भी बच्चे बाजार के अनुकूल अपनी सहमति देने लगे हैं। मजे की बात यह कि अधिकांश मां-बाप को शायद ही इसका रंच मात्र आभास हो कि उनके बच्चों को करोड़ों की खरीद-फरोख्त के बाजारू जाल में फंसाया जा चुका है।

विज्ञापनों की बड़ी भूमिकाः सर्वेक्षण रिपोर्टों के अनुसार, बच्चों को बाजार के चंगुल में फंसाने में टेलीविजन और विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनों का बड़ा हाथ है। सूचना माध्यमों का विज्ञापन एक तरीका है, जो हमारी आवश्यकताओं के अनुसार विकल्प प्रस्तुत करते हैं, जिसमें से हम अपनी जरूरत के अनुसार वस्तुओं का चयन कर सकते हैं। लेकिन बच्चों में विवेक कम होता है। आठ-दस साल का बच्चा यह नहीं जान सकता कि टीवी पर जगमगाते विज्ञापन वास्तविकता से कोसों दूर सिर्फ वस्तु के प्रचार होते हैं।

मीडिया की सुनियोजित प्लानिंगः बाजार की ताकतें जीवन की बदलती प्राथमिकताओं और स्थितियों के बीच अपना वर्चस्व स्थापित करना जानती हैं। माता-पिता अपनी भाग-दौड़ भरी जिंदगी के कारण बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं। परिणामतः बच्चे अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं। वह अपना अकेलापन बांटने के लिए निरंतर टीवी चैनलों या सोशल मीडिया के संपर्क में रहते हैं। मार्केटिंग तंत्र इसका पूरा फायदा उठाने में लगा रहता है। यह टीवी पर प्रसारित होने वाले उन्हीं सीरियलों को विशेष रूप से स्पांसर करता है, जिसमें पारंपरिक मूल्यों से मुक्त चमक-दमक भरी पाश्चात्य शैली की जिंदगी दिखाई गई होती है, जबकि औसत हिंदुस्तानी बच्चे का पारिवारिक परिवेश इससे एकदम अलग किस्म का होता है। लेकिन मासूम बच्चे यह अंतर नहीं समझ पाते हैं। वह टीवी वाली जिंदगी को सत्य मानकर उसे अपने जीवन में उतारना चाहता है।

इसके अलावा बच्चों का ध्यान खींचने के लिए तीन चौथाई विज्ञापनों में बच्चों से ही एक्टिंग करवाई जाती है। विज्ञापन का बच्चा, बाल दर्शकों को खूब आकर्षित करता है। वे विज्ञापन वाले बच्चे जैसा स्वयं भी दिखना चाहते हैं। इसलिए उन्हें वैसा ही स्कूल बैग, जूता, कैप, खिलौने, शर्ट वगैरह तो चाहिए ही, घरेलू समान भी विज्ञापन वाले बच्चे के मम्मी-पापा जैसा ही चाहते हैं। वास्तव में बच्चे जो देखते हैं, वही सीखते हैं।

नमिता उन्नीकृष्णन और शैलजा वाजपेयी द्वारा किए गए 'द इंपैक्ट ऑफ टीवी एडवरटाइजिंग ऑन चिल्ड्रेन' शीर्षक के अध्ययन के अनुसार, आठ से पंद्रह साल के पचहत्तर प्रतिशत बच्चे टेलीविजन विज्ञापनों में प्रदर्शित उत्पादों को हासिल करना चाहते हैं।

हम सभी बनें सजगः आधुनिक भारतीय समाज अपने अंदर विरोधाभास को समेटे हुए जी रहा है। एक तरफ संपन्नता और विलासिता में डूबे कुछेक लाख लोग और उनका पिछलग्गू बड़ा मध्यवर्ग है। दूसरी तरफ एक बहुत बड़ी आबादी जीवन की मूलभूत सुविधाओं से वंचित घुट रही है। लेकिन इस संवर्ग के बच्चे और किशोर विज्ञापनों के प्रभाव में, अपने ही आयुवर्ग के संपन्न परिवार के संतानों जैसा जीवन जीने की ललक रखने लगते हैं। इस प्रवृत्ति को दूर करने के लिए केवल चिंता जताने से कुछ नहीं होगा, सभी पैरेंट्स, समाज और नीति निर्धारकों को इस दिशा में कारगर कदम भी उठाने होंगे।*